RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 179 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 13 अप्रैल 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

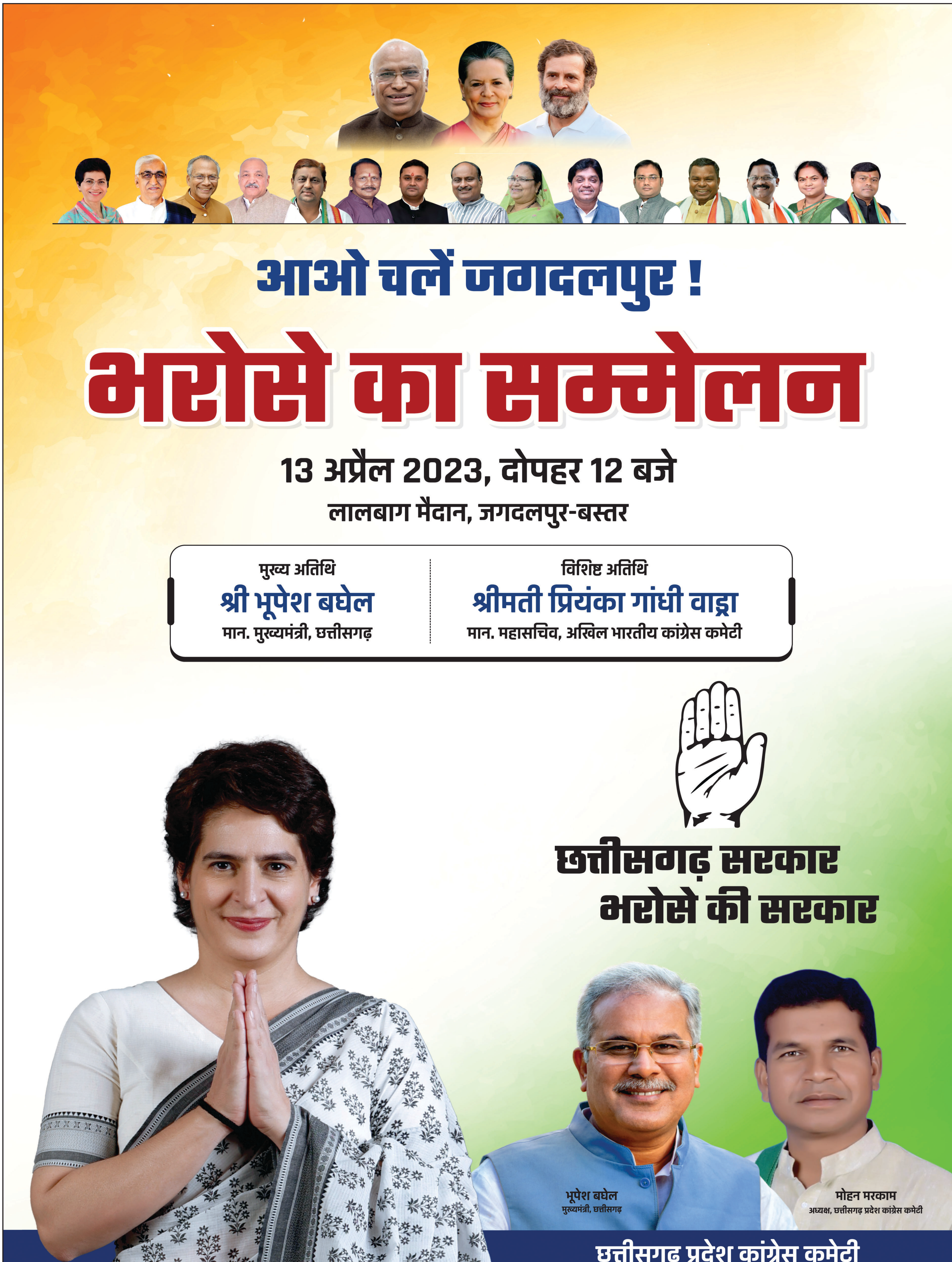

संपादकीय

सैन्य अनुशासन

पंजाब के बठिंडा सैन्य स्टेशन पर बुधवार तड़के फायरिंग में चार जवानों की मौत दुखद और चिंताजनक है। यह आतंकी वारदात नहीं है, पर सेना पूरी तरह सतर्कता बरत रही है और तलाशी अभियान भी जारी है। सूत्रों के अनुसार, सेना ने दोषी को पकड़ लिया है और उचित समय पर वह खुलासा करेगी। घटना सुबह 4:35 बजे हुई और सेना को इसकी तह में पहुंचकर समाधान करना चाहिए। बताया जाता है कि इस वारदात से दो दिन पहले सेना की एक इकाई से एक हथियार और कुछ राउंड गोलियां गायब हो गई थीं। क्या अभी हुआ हमला गायब हुए हथियार का नतीजा है? सेना जांच के बाद नतीजे पर पहुंचेगी। यह अच्छी बात है कि संपत्ति या अन्य किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। यह भी गौर करने की बात है कि सैन्य जांच के अलावा पंजाब पुलिस भी जांच में जुटी है। बठिंडा सैन्य स्टेशन एशिया का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है और सेना के मुख्यालय 10 कोर का घर है। यहां रहने वाले जवान आमतौर पर पंजाब और राजस्थान में पाकिस्तान के साथ भारत की सीमा की रक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। सेना ने स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन पंजाब सरकार के मंत्री अनमोल गगन मान ने बताया है कि यह आपसी झड़प का मामला है। आखिर आपसी झड़प की नौबत क्यों आई? क्या इस झड़प को रोका जा सकता था? वैसे सेना में जवानों की नाराजगी समय-समय पर सामने आई है, पर सैन्य प्रबंधन ने ऐसे मामलों को बेहतर ढंग से सुलझाया भी है। पिछली जो बड़ी घटना ध्यान में आ रही है, वह 27 फरवरी, 2014 की है। कश्मीर में एक सैन्य शिविर के एक सैनिक ने अपने पांच सहयोगियों की हत्या कर दी थी और फिर खुद को भी गोली मार ली थी। क्या सेना में अपने सहयोगियों पर हथियार तान देने की घटनाएं बढ़ी हैं? नहीं, कतई ऐसा नहीं है, भारतीय सेना में प्रतिकूल स्थितियों में सेवा के बावजूद जवानों के बीच अनुशासन लाजवाब माना जाता है। जवानों के बीच हिंसा या झड़प की मामूली या इक्का-दुक्का घटनाओं के आधार पर किसी नतीजे पर नहीं पहुंचना चाहिए। हां, तनाव की स्थिति ऐसी जगहों पर बनती है, जहां उपद्रव या हिंसा से जवानों को निरंतर जूझना पड़ रहा है। एक तथ्य यह भी है कि किसी भी सेना या अर्द्धसैनिक बल में हर स्वभाव के लोग होते हैं और अनुशासन की डोर से सभी बंधे होते हैं। आमतौर पर कई लोग यह सोचते हैं कि युद्ध न होने की स्थिति में ज्यादातर जवान सुविधाओं के बीच समय गुजारते हैं, लेकिन वास्तव में भारत में जो स्थिति है, वह किसी से छिपी नहीं है। देश की सीमाओं पर अपेक्षाकृत शांति है, लेकिन आंतरिक रूप से भारत में सेना के पास बहुत काम हैं। पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर तक जवानों की तैनाती होती रहती है। बहुत कम ही मौके ऐसे आते हैं, जब जवानों को किसी शांत स्थान पर रहने का अवसर मिलता है। हालांकि, शांत स्थलों पर भी जवानों की दिनचर्या बहुत कसी हुई होती है। सूर्योदय से पहले उठने से लेकर रात के दस बजे तक जवानों की दिनचर्या बिल्कुल तय होती है। कब क्या अभ्यास करना है, कब क्या काम करना है, कब कक्षा में जाना है, कब भोजन करना है, सब नियम और कायदे से करना पड़ता है। मतलब, जवानों को मानसिक रूप से मजबूत रखने की जरूरत हमेशा बनी रहती है। बठिंडा जैसे हादसे इतना तो इशारा कर ही देते हैं कि हमें सैन्य सेवाओं में सुधार करते जाना होगा, ताकि जवानों में क्षमता और अनुशासन कभी बीस से उन्नीस न होने पाए।

> “ क्या सेना में अपने सहयोगियों पर हथियार तान देने की घटनाएं बढ़ी हैं? नहीं, कतई ऐसा नहीं है, भारतीय सेना में प्रतिकूल स्थितियों में सेवा के बावजूद जवानों के बीच अनुशासन लाजवाब माना जाता है। जवानों के बीच हिंसा या झड़प की मामूली या इक्का-दुक्का घटनाओं के आधार पर किसी नतीजे पर नहीं पहुंचना चाहिए।

भीमकाय तानाशाह पड़ोसी के साये में छोटे सा प्रजातंत्र!

चीन खम ठोंक रहा है। शनिवार को उसने ताईवान के आसपास विशाल सैन्य अभ्यास शुरू किया। इस तीन दिन के ऑपरेशन युनाईटेड शार्प स्वार्ड में ताईवान की घेराबंदी का अभ्यास किया है। लड़ाकू विमान, युद्धपोत और सैनिकों की ताईवान स्ट्रेट के वायु तथा समुद्री क्षेत्रों में कूंच है। मतलब 'ताइवान के लिए कड़ी चेतावनी' ।

इधर ताईवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन अमेरिका गईं और वहां उनकी मुलाकात हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स के स्पीकर केविन मेकार्थी से हुई तो उधर चीन तिलमिलाया और उसने अपने गुस्से का इज़हार करने के लिए ताइवान की घेराबंदी की। जाहिर है त्साई की यात्रा से चीन और अमेरिका के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ी है वही ताईवान में भी अंदरूनी तनाव में इज़ाफा हुआ है। पिछले वर्ष भी अमेरिका की तत्कालीन स्पीकर नेन्सी पिलोसी की ताईवान यात्रा के बाद चीन ने ऐसे ही गुस्सा दिखाया था।

चीन का दावा है कि ताईवान उसका हिस्सा है। उसे चीन में शामिल करेगा, भले ही इसके लिए उसे बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े, यह उसका सार्वभौमिक अधिकार है। निसंदेह युद्ध की नौबत ताईवान के 2.30 करोड़ निवासियों के लिए अत्यंत भयावह होगी और दुनिया पर इसके दूरगामी दुष्प्रभाव पड़ेंगे। चीन अगर ताईवान पर हमला करता है तो अमरीका, और संभवतः जापान, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन भी इस युद्ध में घसीट लिए जाएंगे।ताईवान की लड़ाई आकार और खतरे दोनों दृष्टियों से यूक्रेन से बड़े होंगे।

कई लोगों का मानना है कि हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। विशेषकर चीन की सत्ता शी जिन पिंग के हाथ में मजबूत होते जाने और ताईवान ही नहीं बल्कि सभी अंतर्राष्ट्रीय मसलों पर उनके आक्रामक रूख के चलते। पिछले महीने शी ने इस स्व-शासित द्वीपको चीन में शामिल करने का संकल्प दुहराया। उन्होंने कहां, हमें बाहरी शक्तियों और ताईवान की स्वंतत्रता संबंधी अलगाववादी गतिविधियों का कड़ा विरोध करना चाहिए। हमें राष्ट्रीय पुनर्जागरण व पुनःएकीकरण के कार्य में अडिगता से जुटे रहना चाहिए। शी ने नेशनल पीपुल्स कांग्रेस को संबोधित करते हुए सैन्य शक्ति के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया।

इस मामले मेंअमेरिका की ढुलमुल नीति है। वह ताईवान पर चीन की सार्वभौमिकता को स्वीकार नहीं करता लेकिन वह ताईवान को एक स्वतंत्र देश का दर्जा भी नहीं देता। उसके केवल चीन से कूटनीतिक संबंध हैं (हालांकि वह ताईवान को हथियार देता है)।

शक नहीं कि पिलोसी की यात्रा के बाद से चीन, अमरीका और ताईवान के आपसी रिश्तों में बदलाव आया है। ताइवान चीन से खिसक रहा है और रूस-यूक्रेन युद्ध से यह दूरी और बढी है। दो पीढ़ी पहले तक ताईवान में सैनिक तानाशाही थी और शासन गुओमिंदांग या केएमटी नामक चीनी राष्ट्रवादी पार्टी के हाथों में था जो सिद्धांत के स्तर पर स्वीकार करती थी कि ताईवान चीन का हिस्सा है। आज ताइवान एक फलता-फूलता लोकतंत्र है जहां सत्ता राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन और उनकी स्वतंत्रता समर्थक डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के हाथ में है। यद्यपि सन् 2024 में होने वाले चुनाव से ताईवान की आंतरिक स्थिति में परिवर्तन हो सकता है। त्साई अगला चुनाव शायद नहीं लड़े। यह साफ नहीं है कि राष्ट्रपति के पद पर उनका उत्तराधिकारी कौन होगा और यह भी क्या सत्ता पर स्वतंत्रता-समर्थक डीपीपी का कब्जा बना रहेगा। उनकी पार्टी की मुख्य प्रतिद्वंद्वी गुओमिंदांग (केएमटी) का दावा है कि डीपीपी ने चीन से रिश्ते खराब कर लिए हैं और हम इन्हें सुधारेंगे।

हालांकि केएमटी चीन समर्थक नहीं है लेकिन उसका मानना है कि चीन से शांतिपूर्ण संबंध बने रहने चाहिए। पूर्व केएमटी नेता मा इंग-जो, जो 2008 से लेकर 2006 तक ताइवान के राष्ट्रपति थे, के कार्यकाल में ताइवान और चीन के सम्बन्ध अत्यंत मधुर थे। दोनों देशों ने 23 व्यापार संधियों पर हस्ताक्षर किये थे, दोनों के बीच सीधी उड़ानें शुरू हुईं थी। स्कूली बच्चों का एक्सचेंज प्रोग्राम चला करता था।

> “ धार्मिक और सांस्कृतिक आदर्शों से जुड़े प्रतीक, त्योहार और परंपरा में उग्रता कितनी घातक हो सकती है, इसका एहसास हमें खूब है। हमने इस्लाम को आतंकवाद से जुड़ते देखा है, तो खालिस्तान आंदोलन के समय सिख धर्म का रिश्ता अलगाववादियों से बताने का शर्मनाक परिणाम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश भर में सिख-हिंसा के रूप में भुगता है। आजकल हिंदू धर्म के मानने वालों में अप्रत्याशित उग्रता का माहौल है।

आस्था को उग्रता की क्या जरूरत

आनंद कुमार, समाजशास्त्री

हमारे सामाजिक जीवन में शक्ति-प्रदर्शन का स्थायी महत्व है। सभी लोग ताकतवर या रसूखदार से ही संबंध बनाए रखने में अपनी भलाई समझते हैं। आमजन में यह भरोसा काफी कम है कि शक्तिहीन के साथ न्याय होगा। यही वजह है कि हम अपनी सामाजिक जिंदगी में निजी और सामूहिक स्तर पर शक्ति-प्रदर्शन के अवसरों की तलाश में रहते हैं। इसे तो अब अपने तीज-त्योहार और आस्था में कर्मकांड के रूप में शामिल कर लिया गया है। यही वजह है कि हर तीन-चार महीने के बाद कोई न कोई ऐसा पारंपरिक पर्व या अवसर आता है, जिसमें समाज के अंदर के उप-समूह अपनी-अपनी दावेदारी पेश करते रहते हैं।

हमारे यहां धार्मिक जुलूसों और आयोजनों का एक सामाजिक संदर्भ भी है। हम इसे अपनी आस्था का प्रदर्शन तो बताते ही हैं, इसमें हम अपनी ताकत का प्रदर्शन भी करते हैं। इसी कारण, जब कोई त्योहार सामने आता है, तो धर्म को मानने वालों से ज्यादा कानून और व्यवस्था चलाने वालों की नींद उड़ जाती है।

हाल के दिनों में हमने यह भी देखा है कि बगैर किसी उत्तेजना या स्पष्ट कारण के सांप्रदायिक व सामुदायिक अस्मिता का उग्र प्रदर्शन किया जा रहा है। आखिर ऐसी उग्रता की जरूरत क्यों है? जबकि, इंसान शांतिपूर्ण जीव है और सामुदायिक जीवन में शांति व युद्ध की स्थिति में शांति का पलड़ा ही भारी रहता है। मगर शांति के दो आधार होते हैं- पहला, शांति तब संभव है, जब हम एक-दूसरे के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार करें, और दूसरा, जब समाज में प्रतिरोध या दावेदारी नहीं हो, यानी सबकी मौन स्वीकृति हो। देखा यही गया है कि असंतुलन की स्थिति में उग्रता की जरूरत पड़ती है, इसलिए समाजशा्त्रियों का सुझाव होता है कि अगर समाज में अकारण हिंसा, उग्रता या उद्दंडता की प्रवृत्ति दिख रही है, तो इसका मतलब है कि समाज को संचालित करने वाले संस्थान या नियमों में सुधार की जरूरत है। यह महज इंसानों के अंदर के पशु के प्रबल होने का संकेत नहीं है, बल्कि यह बताता है कि हमारा समाज कमजोर पड़ता जा रहा है। इसीलिए संकेतों में यह सुझाव दिया जाता रहा है कि जिस समाज में द्वंद्व और तनाव को सुलझाने के शांतिपूर्ण रास्ते बंद हो गए, उस समाज को जाग जाना चाहिए, क्योंकि वह अराजकता की ओर बढ़ रहा है, और कोई भी समाज अराजक जिंदगी को बहुत दिनों तक बर्दाश्त नहीं कर सकता।

धार्मिक और सांस्कृतिक आदर्शों से जुड़े प्रतीक, त्योहार और परंपरा में उग्रता कितनी घातक हो सकती है, इसका एहसास हमें खूब है। हमने इस्लाम को आतंकवाद से जुड़ते देखा है, तो खालिस्तान आंदोलन के समय सिख धर्म का रिश्ता अलगाववादियों से बताने का शर्मनाक परिणाम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश भर में सिख-हिंसा के रूप में भुगता है। आजकल हिंदू धर्म के मानने वालों में अप्रत्याशित उग्रता का माहौल है। रामनवमी जैसे सौजन्यतापूर्ण आयोजन भी आक्रामक जुलूस में बदलने लगे हैं, जिसका एकमात्र मकसद अन्य धर्मावलंबियों, खासतौर से मुसलमानों को अपनी ताकत दिखाना होता है। यह बेहद चिंता की बात है। इससे बाकी धर्म के लोग भी शिष्टता के बजाय अशिष्ट आचरण का सहारा लेने लगेंगे।

भारतीय समाज की यह दशा बहुत चिंतनीय है। ऐसी परिस्थिति अंग्रेज राज के समापन के समय भी पैदा हुई थी, जिसकी कीमत हमने हिन्दुस्तान के बंटवारे के रूप में चुकाया है। अगर हमारा धर्म नीति, नैतिकता और न्याय का वाहक नहीं रह जाएगा, तो धर्म व अधर्म के बीच का फर्क खत्म हो जाएगा। फिर प्रह्लाद और उसके राक्षस पिता हिरण्यकश्यप के बीच भला क्या अंतर रह जाएगा? द्रौपदी, दुर्योधन और युधिष्ठिर के बीच जो बुनियादी फासला है, उस पर भला कैसे भरोसा करेंगे? राम और रावण के बीच में सीता आखिर राम की क्यों प्रतीक्षा करेगी?

सवाल महज धर्मों के बीच का नहीं है। धर्म के अंदर भी कमजोर और मजबूत के रूप में भेद कायम है। भारतीय संस्कृति में पिछली कुछ शताब्दियों में दबंग जातियों का प्रभुत्व बढ़ा है। इसमें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, विशेषकर चुनावी पद्धति ने आग में घी डालने का काम किया है। इसका परिणाम यह निकला है कि जातिगत हिंसा हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अनिवार्य दोष बन गई है। हम अन्य जातियों की छोटी-छोटी घटनाओं या बातों पर भी हिंसा का प्रदर्शन करने लगे हैं। दूसरी जातियों की खुशियों से हमें जलन क्यों होनी चाहिए? दिक्कत यह है कि सिर्फ हिंसा नहीं होती, उसका जमकर राजनीतिकरण भी किया जाता है, जो निंदनीय है। वंचित भारत पर प्रभु वर्ग के व्यवहार पर सत्ता-प्रतिष्ठान अमूमन खामोश रह जाता है, ताकि चुनाव पर उसके असर को परख सके। हमें लैंगिक हिंसा को भी इसी श्रेणी में रखना चाहिए। औरत होने की सजा हमारे समाज का सबसे शर्मनाक पक्ष है, जिस पर चिंतन आवश्यक है। इसमें सिर्फ पुलिस पर भरोसा करने से काम नहीं चलेगा। हमें समाज के जरूरी संस्थानों को भी निगरानी के दायरे में लाना होगा। समाज का प्रभुत्वशाली वर्ग वंचित भारत (स्त्री, दलित, आदिवासी, पिछड़े आदि) के साथ न्यायसंगत, यानी शिष्टाचार या नीतिगत सम्मान का आचरण नहीं कर पाया है, जो हमारे स्वराज्य का अंधकार पक्ष है। जब तक यह स्थिति बनी रहेगी, हमारा लोकतंत्र दोषपूर्ण माना जाएगा।

हमें मौजूदा समय की हिंसा, उग्रता या उद्दंडता की घटना को तात्कालिक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक पणिाम की नजरों से देखना चाहिए। अनीति और उग्रता का आधार यदि धर्म बन रहा है, तो सिर्फ उस धर्म में नहीं, उसके अनुयायियों में भी गड़बड़ी है। अक्सर घबराया और डरा हुआ जीव ही हमला करता है। ऐसे में, यदि हम भय के कारण उग्र हो रहे हैं और स्वार्थवश दूसरों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं, तो हम अपने पांव पर खुद कुल्हाड़ी मार रहे हैं। दिखावे की प्रवृत्ति और धार्मिक व संख्या बल का प्रदर्शन कमजोर पड़ते समाज की निशानी है। और, समाज को मजबूती तब तक नहीं मिल सकती, जब तक सद्भाव बढ़ाया नहीं जाएगा। यह भारत में संभव है, क्योंकि शांति का हमारा एक लंबा इतिहास रहा है और अमन-चैन हमारे समाज की आधारशिला है। जब तक यह नहीं होगा, तब तक देश के निर्माण की बात भूल ही जाइए!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विकास के नाम पर हम अभी और कितनी नदियां मारेंगे

अमरेंद्र किशोर, वरिष्ठ पत्रकार

एक नदी थी बूढ़ी दाई, बिहार के कैमूर पहाड़ियों के जमरदाग गांव के करीब एक सोता से निकलती थी। आज से 40 साल पहले बूढ़ी दाई करीब सात-आठ गांवों के लगभग सवा सौ घरों को पोसती थी। लोगों का नहाना इसी नदी में होता था और मटकी-तसला (डेकची) में भोजन पकाने का पानी लेकर औरतें घर आती थीं, पर नदी का ज्यादा पानी गमकउवा सोनाचूर, ठाकुरभोग, कामोच, स्याहजीरा और कनकचूर धान की फसलों वाले खेतों के पेट भरने के काम आता था।

आज से कोई पंद्रह साल पहले बूढ़ी दाई को स्थानीय समाज ने अलविदा कह दिया। उसकी मौत प्रायोजित और सुनियोजित थी। उसकी मौत तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों की एक खास स्याह रस्म थलाइकूथल जैसी थी, जिसमें लाचार हुए बुजुर्गों की हत्या कर दी जाती है। इस कुप्रथा का समापन अभी भी पूरी तरह नहीं हुआ है। यहां पीड़ित की सहमति जरूरी नहीं है, वे या तो मरणासन्न या लगभग बेहोश होते हैं। बूढ़ी दाई की नियति भी कुछ ऐसी ही थी।

जो गांव उस नदी के पानी के भरोसे थे, उनकी आबादी ज्यादा हो गई, कहां सवा सौ घर और अब पांच सौ घर। बता दें, बूढ़ी दाई भी अपनी मौत नहीं मरी। न उसके उद्गम स्रोत से पानी खत्म हुआ और न ही उसकी गोद में गाद और मलगज से धार मंद पड़ी। अपने आखिरी साल में भी सावन के महीने में उसकी दहाड़ जमरदाग के लोगों ने सुनी थी। ऐसा भी नहीं कि यह नदी साल भर बहती थी, पर कभी सूखती नहीं थी।

पटना से योजनाओं की घोषणा हुई कि कैमूर के हर गांव में पानी पहुंचाया जाएगा। सैकड़ों फीट नीचे से पानी निकाले जाने की व्यवस्था हुई। गांवों में निश्चिंतता आई, किंतु न खेत सिंचित हुए और न इस संबंध में कोई पुरअसर योजना पर काम हुआ। साल भर हलक तर रखने की खुशियों के बीच नदियां उपेक्षित हुईं।

इसी बेच मनरेगा आया, तो माटी के काम पर जोर दिया जाने लगा। जमीन समतल किए जाने के ज्ञान और इरादों की पहलकदमी शुरू हुई। विकास के सुसंगत तरीकों के बदले तात्कालिक जरूरतों पर जोर दिया गया, जैसे बंदर के हाथ में उस्तरा। शहरों से ज्यादा आवागमन और संचार प्रणाली की शुरुआत होते ही अनेक बदलाव देखने को मिले। अब जमरदाग के जंगल भी लगभग काटे जा चुके हैं और बूढ़ी दाई का उद्गम भी मिटता दिखता है। एक वक्त था, जब किसी गांव के नाम का अंत दाग से होने का मतलब था, वहां पानी के स्रोत हैं। कभी बूढ़ी दाई के दोनों ओर सखुआ, महुआ, कुसुम, पियार और गूलर के अनगिनत पेड़ थे। पालतू जानवरों के मरने के बाद उन्हें आदिवासी यहीं कहीं छोड़ देते थे, तो गिद्धों का महाभोज कई-कई दिन चलता था। अब भारत में लगभग 99 प्रतिशत गिद्ध समाप्त हो चुके हैं, तो कैमूर में गिद्ध कैसे दिखेंगे? मवेशियों की आबादी में भी नब्बे प्रतिशत के करीब गिरावट है। इन सबका बड़ा कारण है जलस्रोतों का सूखना या उन्हें बर्बाद किया जाना। जितने घास के मैदान थे, वहां धान के खेत बन गए। नदी की जमीन पर दावेदारी के बाद तो अर्थमूविंग मशीन से नदी को रौंदकर सदियों का हिसाब-किताब बराबर कर दिया गया। एक नदी की कीमत आज क्या है, थोड़ी सी खेती या कोई दस पसेरी धान? आज बूढ़ी दाई के नामोनिशान के नाम पर बरगद का वह पेड़ जरूर है, जिसकी जड़ों को छूकर नदी गुजरती थी। पानीदार धरती का गवाह रहा वह बूढ़ा बरगद आज परंपरा और आधुनिकता की युद्धभूमि में अधमरा दिख रहा है। बूढ़ी दाई मर चुकी है। उसे थलाइकूथल वाली मौत दी गई है। मरने का मन उस नदी का भी नहीं रहा होगा, पर उसके पड़ोसियों और परिजनों की ऐसी ही इच्छा थी। विकास के अनुष्ठान में मानो इस नदी की किडनी निकाल ली गई, पानी रोकने वाले सारे पत्थर हटा दिए गए और जमीन दूर-दूर तक समतल कर दी गई। वहां आज भी बाढ़ आती है, पर धान के खेतों में पसरकर थम जाती है।

समूचे देश में न जाने कितनी सारी बूढ़ी दाई नदियों के साथ बिल्डर, जमीन माफिया, जमींदारों और रसूखदारों ने थलाइकूथल किया है। अब सवाल है कि बूढ़ी दाई आगे जाकर अउसाने नदी में मिलती है और अउसाने सोन में, तो अब सोन का क्या होगा? यह सोचना होगा। आखिर हम ऐसी कितनी नदियां मारेंगे?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सिद्धांतहीनता के विरोध से लोकतंत्र का भला

विश्वनाथ सचदेव

चार राज्यों के चुनाव इस वर्ष हो जाएंगे, और अगले साल आम चुनाव हैं ही। राजनीतिक दलों की सक्रियता स्वाभाविक है, पर चुनाव-प्रचार की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी बाकी राजनीतिक दलों से काफी आगे दिख रही है। परिणाम तो मतदाता ही तय करेगा, पर राजनीतिक दलों में दावों और वादों की भरमार और रफ्तार की तेजी इतना तो बता ही रही है कि अगला चुनाव कांटे का होगा। इस राजनीतिक घमासान में मतदाता की उदासीनता कुछ परेशान करने वाली है।

यह सही है कि मतदाता के पास अपनी आवाज उठाने का मौका चुनाव के अवसर पर ही आता है, पर जनतांत्रिक व्यवस्था का तकाजा है कि मतदाता में जागरूकता होनी ही नहीं, दिखनी भी चाहिए। सोशल मीडिया के इस युग में मतदाता के हाथ में एक महत्वपूर्ण हथियार आ गया है, दिखना चाहिए कि मतदाता इस हथियार का उपयोग कर रहा है। एक सीमा तक ऐसा हो भी रहा है, पर वैसा कुछ दिख नहीं रहा जैसा दिखना चाहिए।

संसद का बजट सत्र अभी हाल ही में समाप्त हुआ है। इस सत्र में सत्तारूढ़ दल और विपक्ष दोनों का व्यवहार निराशाजनक ही नहीं रहा, शर्मनाक भी था। सारा सत्र शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। आश्चर्य की बात तो यह है कि संसद की कार्यवाही में रुकावट डालने का काम दोनों पक्षों ने किया। विपक्ष द्वारा संसद की कार्यवाही में रुकावट डालकर सत्तारूढ़ दल को किसी प्रस्ताव पर सहमत करना तो समझ में आता है, पर शायद ही पहले कभी सत्तारूढ़ दल द्वारा संसद की कार्यवाही को रोकने की कोशिश करते देखा गया है। पर इस बार हुआ ऐसा। सत्तारूढ़ दल को किसी भी शर्त पर यह स्वीकार नहीं था कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी 'देश का अपमान' करने की सज़ा पाये बिना संसद की कार्यवाही में भाग लें और लगभग समूचे विपक्ष की जिद थी की 'अडानी-कांड' की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का पहले गठन हो, फिर संसद की कार्यवाही आगे बढ़ेगी। दोनों ही पक्षों की इस रणनीति ने संसद का मजाक बनाकर रख दिया। यह समझना आसान नहीं है कि हमारी संसद ने इस सत्र का आधे से अधिक काम, जिसमें बजट पारित करना भी शामिल है, बिना किसी बहस के, शोर-शराबे के बीच निपटा दिया। हां, यही शब्द काम में लिया जा सकता है इस तरीके के लिए जो हमारी संसद में अपनाया गया।

जहां तक विपक्ष द्वारा कार्यवाही में बाधा डालने का सवाल है, आज का सत्तारूढ़ दल, भाजपा इसे पहले ही अपना मान्य हथियार कह चुका है। स्वर्गीय सुषमा स्वराज और स्वर्गीय अरुण जेटली जब संसद में थे तो उन दोनों ने संसद के काम में रुकावट डालने को काम करने का ही एक उदाहरण बताकर अपने काम की सफाई दी थी। उनका यह मानना-कहना पूरी तरह ग़लत भी नहीं था। जब भारी बहुमत वाला सत्तारूढ़ दल विपक्ष की कोई भी बात स्वीकारने के मूड में न हो तो विपक्ष के पास अपना असंतोष जताने का और कौन-सा रास्ता बच जाता है? जब भाजपा विपक्ष में थी तो उसने इसी राह पर चलना जरूरी समझा, और अब जबकि भाजपा-विरोधी दल विपक्ष में हैं, उन्हें लग रहा है कि संसद की कार्यवाही में बाधा डालकर ही वे अपनी उपस्थिति की महत्ता साबित कर सकते हैं।

परिणाम देश के सामने है संसद का एक और सत्र धुल गया। सवाल सिर्फ संसद चलाने के लिए होने वाले खर्च की बर्बादी का नहीं है। वैसे, एक आकलन के अनुसार संसद की कार्यवाही पर प्रति मिनट ढाई लाख रुपये खर्च होते हैं! यानी हर सत्र पर करोड़ों रुपये का खर्च। और यह सब तब पानी में बह जाता है जब हमारी संसद में ऐसा कुछ होता है, जैसा इस सत्र में हुआ। पर इसकी चिंता किसे है?

चिंता इस देश के नागरिक को होनी चाहिए जनता को पूछना चाहिए अपनी सरकार से कि क्या उसे इसलिए सत्ता में बिठाया गया था कि वह अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए ऐसी ज़िद पर अड़ जाये जिसका कोई महत्व ही न हो। लंदन में जाकर भारतीय जनतंत्र की स्थिति पर राहुल गांधी द्वारा कुछ कहा जाना सरकार की दृष्टि में इतना बड़ा अपराध कैसे बन गया कि संसद की कार्यवाही ठप करना जरूरी समझा गया? और जेपीसी की मांग करके आखिर विपक्ष ने ऐसा क्या मांग लिया था जो किसी भी कीमत पर दिया नहीं जा सकता था? यह और ऐसे सवाल मतदाता को अपने नेताओं से पूछने चाहिए। सवाल करना जनता का अधिकार है, और कर्तव्य भी।

अब सवाल यह उठता है कि देश की जनता अपने इस अधिकार का उपयोग करती है या नहीं? अपने इस कर्तव्य का पालन करती है या नहीं? विधानसभाओं और संसद में निर्वाचित होकर जाने वाले राजनेता हमारे नेता नहीं, प्रतिनिधि हैं। हमारा अधिकार है उनके काम-काज पर नजर रखने का। वे कुछ अच्छा कर रहे हैं तो उनकी पीठ थपथपाने का और यदि वह हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं कर रहे तो उनसे सवाल पूछना भी हमारा कर्तव्य है।

सच बात तो यह है कि जनतंत्र की सफलता और महत्ता दोनों नागरिक की सक्रियता और जागरूकता पर निर्भर करते हैं। हम कितने सक्रिय और जागरूक हैं। आज के चुनावी माहौल में हमारे नेता (प्रतिनिधि) दावों और वादों की झड़ी लगा रहे हैं। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप मढ़ कर अपनी कमीज़ उजली होने के दावे कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि विभिन्न दलों के हमारे नेता कल तक विपक्ष की जिस कमीज़ को मैला बता रहे थे, आज उसे स्वयं धारण करने में उन्हें कोई संकोच नहीं लगता। उनके लिए दलबदल शर्म की नहीं, शान की बात बन गया है। कल तक जिस दल को विरोधी माना जाता था, जिस राजनेता को बेईमान कहा जाता था, आज उसका स्वागत फूल-मालाओं से किया जा रहा है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reastaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

सेल-बीएसपी मर्चेंट मिल और वायर रॉड ने टीम वर्क से स्थापित किया नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात सयंत्र की दो पुरानी फिनिशिंग मिलें, मर्चेंट मिल (एमएम) और वायर रॉड मिल (डब्ल्यूआरएम) ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान अपने प्रदर्शन को बनाए रखा है। गुणवत्ता विभाग के सहभागिता से पिछले वित्त वर्ष के दौरान उत्पादन के अक्सर नए और अनुकूलित ग्रेड जारी करते हुए कई रिकॉर्ड बनाये हैं।

मर्चेंट मिल द्वारा उत्पादन में पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में लगभग 12.8त्न की वृद्धि और डब्ल्यूआरएम में 16.9त्न की वृद्धि दर्ज की हैं। एमएम विभिन्न प्रकार के एंगल्स और चैनलों के साथ टीएमटी बार का उत्पादन करता है जबकि डब्ल्यूआरएम विभिन्न प्रकार (वर्ग) के प्लेन और रिब्ड (टीएमटी) वायर रॉड कॉइल दोनों का उत्पादन करता है। एमएम ने नए वित्तीय वर्ष 2023-24 की शुरुआत से ही कुछ नए रिकॉर्ड बनाए। एमएम ने तीन में से दो रीहीटिंग भट्टियों के संचालन के साथ नए वित्तीय वर्ष 2023-24 की शुरुआत दैनिक और शिफ्ट रिकॉर्ड के साथ तेजी से की। 10 अप्रैल 2023 को, दोनों मिलों ने एमएम के साथ मिलकर 1,977 टन 25 मिमी टीएमटी का रिकॉर्ड उत्पादन कर कीर्तिमान स्थापित किया, जो 08 अप्रैल 2023 को 1,972 टन के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन को पार कर गया। डब्ल्यूआरएम ने भी 10 अप्रेल 2023 को 1,632 टन (10 मिमी) टीएमटी कॉइल का उत्पादन दर्ज करके अपने पुराने सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 14 फरवरी 2023 को उत्पादित 1,618 टन के अपने पिछले दैनिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक (एमडब्ल्यूआरएम-मर्चेंट वायर रॉड मिल) एम के गोयल ने ने बताया कि शॉप कर्मियों ने चुनौतीपूर्ण कार्यों का सामना करने के लिए अपनी कमर कस ली एवं एकजुट होकर नए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए तैयार हैं। सहायक महाप्रबंधक शशांक राव शंबरकर ने साझा किया कि एमडब्ल्यूआरएम में कार्य वातावरण अनुकूल है, तथा प्रबंधन के सहयोग व टीम वर्क से नए विचार के कार्यान्वयन के साथ परिणाम मिल रहे हैं। सहायक महाप्रबंधक (एमडब्ल्यू आरएम) पुलक कांति बरुआ का कहना है कि मिल के सुचारू संचालन के लिए हर एक स्टैंड के प्रवेश/निकास बॉक्स की निगरानी आवश्यक है। चीफ मास्टर ऑपरेटर (एमडब्ल्यूआरएम) एन हरि नारायण का कहना है कि रोलिंग रेट और प्रौद्योगिकी में बदलाव के साथ उत्पादन दर में वृद्धि हुई है। आधुनिक मिलों की मदद से हम मिल की गति बढ़ा कर, विभिन्न ग्रेड के उत्पादों जैसे ईक्यूआर, एचसीआर का उत्पादन करने में सक्षम हैं।

खास खबर

अग्निशमन सेवा विभाग के द्वारा मनाया जाएगा राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन सेवा विभाग के मुख्य अग्निशमन सेवा केन्द्र परिसर में 14 अप्रैल, 2023 को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस, 14 अप्रेल, 1944 के दिन मुम्बई डाकयार्ड में हुए भीषण अग्निकांड में जन-धन की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त 66 अग्निवीरों और विभिन्न अग्नि दुर्घटनाओं में शहीद होने वाले देश के अग्निवीरों की याद में मनाया जाता है तथा उद्योग में अग्नि दुर्घटना के खतरों के प्रति जागरूकता लाने के प्रयास के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगें। मुख्य अतिथि, अग्निशमन जवानों के द्वारा की जाने वाली शानदार परेड की सलामी लेंगे। साथ ही परेड से पहले अग्निशमन जवानों द्वारा देश और संयंत्र के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण से कार्य करने की शपथ ली जाएगी। प्रात: 8.30 बजे से आयोजित इस समारोह में अग्निशमन जवानों की शानदार परेड, अग्निशमन वाहनों, यंत्रों और सुरक्षा उपकरणों का बेहतरीन प्रदर्शन समारोह का विशेष आकर्षण होगा।

ऐतिहासिक राज मंडई आस्था, परंपरा के समागम के साथ हुआ संपन्न

सुकमा। जिले के केरलापाल परगना के ग्रामीणों के द्वारा प्रत्येक 12 वर्ष बाद राज मंडई (मेला) का आयोजन किया जाता है, इस वर्ष 09 अप्रैल से राज मंडाई शुरू हुआ है, जो आज 12 अप्रैल को संपन्न हो जायेगा इसमें सुकमा, सहित पड़ोसी राज्य आंध्रप्रदेश और ओडिशा के देवी-देवता शामिल होते हैं। ऐतिहासिक मेले में आस्था, परंपरा की झलक देखने को मिलती है। इसे देखने और बस्तर के रीति-रिवाज संस्कृति को समझने देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग यहां आते हैं। इस ऐतिहासिक मेले में प्रदेश के आबकारी मंत्री व विधायक कवासी लखमा भी शामिल होकर हाथों में मोर पंख पकड़ कर पारंपरिक अंदाज में नृत्य कर देवी-देवताओं की आराधना की। सुकमा राज परिवार के सदस्य मनोज देव ने बताया कि सुकमा रियासत के हिसाब से 440 गांव के देवी-देवता इसमें शामिल होते हैं। यह मेला हर 12 वर्ष के बाद आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि, वर्षों पहले जयपुर के राजा और सुकमा के राजा के बीच युद्ध हुआ था। जिसे सुकमा के राजा ने जीता था। उसी जीत की खुशी में राज मंडई (मेला) का आयोजन किया जाता है।

दुर्ग जिला पंचायत अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीमती शालिनी यादव के गृहग्राम पहुंचे मुख्यमंत्री, शोक संतृप्त परिवार को दी सांत्वना

स्वर्गीय श्रीमती शालिनी यादव के नाम पर होगा नगपुरा का नवीन कॉलेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीमती शालिनी यादव के गृह ग्राम बोरई पहुंचे। जहां उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि स्वर्गीय श्रीमती शालिनी यादव का स्वभाव उनके नाम के अनुरूप ही शालीन और सरल था, वे मृदुभाषी भी थीं। उनका निधन हम सबके लिए एक अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के प्रति उनके कार्य, समर्पण और व्यवहार के कारण उनका नाम हमेशा याद रखा जाएगा। आने वाली पीढ़ी भी उन्हें उनके सामाजिक और राजनीतिक योगदान के लिए याद रखें, इसलिए नवीन नगपुरा कॉलेज का नाम स्वर्गीय श्रीमती शालिनी यादव के नाम पर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि भेंट मुलाकात कार्यक्रम में स्वर्गीय शालिनी यादव की अनुपस्थिति पर उन्होंने सहयोगियों से उनके संबंध में पूछताछ की थी, उनके अस्वस्थ्य होने की जानकारी प्राप्त हुई।

इसके बाद लगातार उनके स्वास्थ्य संबंधी सूचनाएं परिवार से मिलती रही, हर संभव स्वास्थ्य सुविधा भी उन्हें मुहैया कराने का प्रयास किया गया, परंतु परमात्मा द्वारा लिखे विधान को नहीं टाला जा सका।

इस अवसर पर गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी स्वर्गीय शालिनी यादव को याद करते हुए शोक संवेदना प्रकट की। श्रीमती शालिनी यादव का देहांत 5 अप्रैल को रायपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया था। इस अवसर पर जिला पंचायत बालोद के उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, जिला पंचायत दुर्ग उपाध्यक्ष अशोक साहू, सदस्य योगिता चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष श्री देवेन्द्र देशमुख, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग श्रीमती झमित गायकवाड़, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र साहू, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन व अधिकारीगण उपस्थित थे।

मेयर धीरज बाकलीवाल एवं कमिश्नर लोकेश चन्द्राकर ने आवास आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान मोर आस घटक के अंतर्गत किरायेदारी में निवासरत परिवारों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू है डाटा सेंटर में प्रधानमंत्री आवास शाखा से 100 नगद भुगतान कर आवेदन प्राप्त किया जा सकता है। किरायेदारी में निवासरत परिवारों के लिए माँ कर्मा बोरसी, सरस्वतीनगर, पोटिया कला, गणपति विहार एवं फार्च्यून बोरसी में 1226 निर्माणाधीन आवास उपलब्ध है।जिंसमे से 1133 आवास किरायदारों को आबंटित किया जाना है। इनके आबंटन के लिए कार्यवाही की जानी है।किरायेदारी में परिवारों के लिए यह अच्छा मौका होगा कि जो लोग आवेदन ले नहीं पाए है, हितग्राहियो को आवेदन लेने का बेहतर मौका तथा आवास लेने के लिए हितग्राही आवेदन कर सकते है।मेयर धीरज बाकलीवाल एवं कमिश्नर लोकेश चन्द्राकर ने आवास आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में आवास आबंटन से संबंधित प्रक्रिया की जा रही है ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को इस योजना का लाभ मिल सके। आवास के लिए पात्रता की शर्तें जानना आवश्यक है आवास के लिए निवास प्रमाण पत्र या जन्म प्रमाण पत्र या जाति प्रमाण पत्र या वंशावली इनमें से कोई भी एक दस्तावेज, आवेदक निकाय क्षेत्र में दिनांक 31 अगस्त 2015 के पूर्व से निवासरत है, मतदाता सूची या किरायानामा या निवास प्रमाण पत्र या अन्य शासकीय दस्तावेज या वर्ष 2011 की जनगणना सूची में नाम इनमें से कोई एक दस्तावेज की आवश्यकता होगी। क्या आवेदक के पूरे परिवार जिसमें पति, पत्नी एवं अवयस्क बच्चे की वार्षिक आय राशि रुपए 3 लाख से कम है। नियोक्ता द्वारा प्रदत आय प्रमाण पत्र या राशन कार्ड या सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र इनमें से कोई एक दस्तावेज की आवश्यकता होगी।आवेदक एवं उसके परिवार के सदस्यों के नाम से देश में किसी भी स्थान पर पक्का आवास है।

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में शासन की प्राथमिकता वाली योजना के क्रम में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, स्कूल शिक्षा तथा ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में रोजगार मिशन, आईटीआई उन्नयन, बेरोजगारी भत्ता, आत्मानंद स्कूल, स्कूलों के मरम्मत, वर्ल्ड क्लास स्कूल की स्थापना और छत्तीसगढ़ महतारी दुलार योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू और स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला शामिल हुए।

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा में बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत बेरोजगारों को भत्ता प्रदान करने हेतु की जा रही प्रक्रिया के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री जी की घोषणा के परिपालन में बेरोजगारी भत्ता हेतु हितग्राहियों से एक अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन-पत्र मंगाये जा रहे है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक करीब 46 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके है और प्रतिदिन हजारों की संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे है। आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। आवेदकों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा रहा है। बैंक खातों के सत्यापन उपरांत पात्र आवेदकों को एक मई 2023 से उनके बैंक खाते में बेरोजगारी भत्ता की राशि का हस्तांतरण डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा।

इसी तरह से आईटीआई उन्नयन के तहत राज्य तकनीकी संस्थानों को टेक्नोलॉजिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत 36 शासकीय आईटीआई के उन्नयन हेतु 1216.80 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इसमें कार्पोरेट जगत का सहयोग लिया जा रहा है। बैठक में अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय प्रारंभ किए गए है। स्कूलों के भवनों, शिक्षकों की भर्ती सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नवा रायपुर के सेक्टर 32 में विश्व स्तरीय आवासीय विद्यालय खोला जा रहा है। इसके संबंध में अब तक हुए कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल भवन का कार्य नींव स्तर तक का पूर्ण हो गया है। विद्यालय के कार्यों हेतु 49 करोड़ 52 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ महतारी दुलार योजना के तहत कोरोना संक्रमण में बेसहारा हुए ऐसे बच्चे जिन्होंने अपने माता-पिता को कोरोना के कारण खो दिया है ऐसे उन सभी बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसमें कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों को पांच हजार रूपए प्रति विद्यार्थी तथा कक्षा 9 से 12 तक के लिए प्रति विद्यार्थी 10 हजार रूपए वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। निजी स्कूलों में अध्ययनरत कक्षा 1 से 12वीं के सभी विद्यार्थियों के लिए शाला शुल्क की पूर्ति शासन द्वारा की जा रही है। बैठक में ऊर्जा विभाग के सचिव अंकित आनंद, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन सहित शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेंगे सेना भर्ती परीक्षा केन्द्र में

दुर्ग। ऑनलाईन कॉमन एंट्रेस टेस्ट के माध्यम से 17 अप्रैल को शुरू होने वाली सेना भर्ती परीक्षा के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल होंगे। भर्ती के लिए निर्धारित भिलाई के परीक्षा केंद्र पार्थिवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट सिरसाकला केंद्र के द्वितीय एवं तृतीय तल पर निर्धारित समयानुसार परीक्षा का आयोजन विभिन्न शिफ्ट में होना है। जिसमें लगभग प्रत्येक शिफ्ट में 300 विद्यार्थी प्रतिदिन उपस्थित होंगे। परीक्षा के दौरान कोई अप्रिय घटना घटित न हो इसके लिए 17 अप्रैल से 26 अप्रैल तक जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के समन्वय से भीड़ के नियंत्रण व सुरक्षा के दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत प्रीति साहू को मिला रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग निवासी श्रीमती प्रीति साहू ने अपनी बेरोजगारी को कड़ी मेहनत के द्वारा रोजगार का स्वरूप प्रदान किया। श्रीमती साहू को सिलाई-कढ़ाई से संबंधित कामों में बहुत रूचि थी। इसी को आधार बनाकर उन्होंने थ्रेड एडं मेचिंग हाउस खोलने का निश्चय किया। उन्होंने दुकान ऐसे एरिया में खोलने का निर्णय लिया जहां उसकी अच्छी मार्केटिंग हो।

इस हेतु उन्हें जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के अधिकारियों से संपर्क करने पर मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के बारे में पता चला। उन्होंने तुरंत कार्यालय में योजनांतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया। जिला स्तरीय टास्कफोर्स समिति की बैठक से अनुमोदन होने के बाद उन्हें बैंक से लोन मिलने लगा। जो व्यापार को आगे बढ़ाने में एक वरदान साबित हुआ। श्रीमती प्रीति साहू ने एक किराये का दुकान लिया, जहां उन्होंने थ्रेड एंड मेचिंग हाउस का सामान रखने लगी।

थ्रेड एडं मेचिंग हाउस में धागा, बटन, अस्तर, फाल, लेस, गोटा, रेडिमेंट ब्लाउज पीस आदि समान की बिक्री करने लगी। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से 2 लाख रूपए का लोन लिया और स्वयं का थ्रेड एंड मेचिंग हाउस प्रारंभ किया, जो कि वर्तमान में सुचारू रूप से संचालित है। इस व्यवसाय से अच्छी आमदनी होने लगी। अपने सहयोग के लिए एक लड़की को भी रोजगार प्रदान की। साथ ही नियत समय में बैंक के लोन का किस्त भी पटा रही है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

अतिशीघ्र आवश्यकता है
एक प्लॉट सेल करने पर 9-10 प्रतिशत तक का ब्रोकरेज
अनुभविकओं के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है...
रियल स्टेट कंपनी में काम किए हुए अनुभविक एवं फ्रेशर लड़के एवं लड़कियों की सेल्स एंड मार्केटिंग के लिए...
पार्ट टाइम और फुल टाइम जॉब
सैलरी :-7000-10000/- योग्यता के अनुसार
संपर्क करें : 9109132445
लोकेशनः- भिलाई दुर्ग चरोदा

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school , Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

गौठानों में लग रहे हैं तेल पेराई यूनिट, महिलाओं को मिल रहा रोजगार के अवसर

रायपुर। प्रदेश के गौठान आजीविका मूलक गतिविधियों के केंद्र बनकर उभर रहे हैं इससे महिला स्व-सहायता समूहों को रोजगार मिल रहा है। गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, मुर्गी पालन, मछली पालन, उद्यानिकी फसलों के साथ-साथ अब मसाला, साबुन निर्माण, तेल पेराई जैसी इकाईयां स्थापित कर रोजगार के अवसर सृजित किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात के दौरान दिए गए निर्देशों और घोषणाओं पर लगातार अमल हो रहा है और आमजन इससे सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री के निर्देश पर जशपुर जिले के नन्हेसर और पंडरापाठ गौठानों में तेल पेराई यूनिट लगाई गई है। जिला खनिज न्यास मद लगा यह यूनिट स्व सहायता समूह की महिलाओं के लिए आजीविका का साधन बन गया है। दोनों गौठानों में कार्यरत स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने तेल मिल मिलने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नन्हेसर गौठान की लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की महिलाएं बताती हैं कि विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियां गौठान में पहले से ही संचालित की जा रही थी और अब तेल मिल मिलने से महिलाएं खुश हैं। नन्हेसर गौठान की महिलाओं ने बताया कि अब तक वे 120 लीटर तेल पेराई कर चुकी है, जिसे 200 रुपये प्रति लीटर की दर से बेचकर उन्हें 24 हजार रुपये की आमदनी हुई है। साथ ही खली का विक्रय कर 9 हजार रुपये मिले हैं।

कस्टम मिलिंग के लिए लगभग शत-प्रतिशत धान का उठाव

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार की कुशल प्रबंधन के कारण प्रदेश के किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई धान का कस्टम मिलिंग के लिए शत-प्रतिशत उठाव हो चुका है। मिलर्स द्वारा कस्टम मिलिंग कर केंद्रीय पूल में चावल जमा कराने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। अब तक केंद्रीय पूल (एफसीआई और नॉन) में 47.10 लाख मीट्रिक टन चावल जमा करा दिया गया है। इसमें भारतीय खाद्य निगम में 28.41 लाख मीट्रिक टन चावल और नागरिक आपूर्ति निगम में 18.69 लाख मीट्रिक टन चावल शामिल है। गौरतलब है कि राज्य सरकार इस खरीफसीजन में प्रदेश के पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर रिकार्ड 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की सफलतापूर्वक खरीदी की है। किसानों को धान खरीदी के एवज में 22 हजार 67 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है।

अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के साथ अच्छा बर्ताव रखें: मंत्री टीएस सिंहदेव

स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों की पीठ थपथपाई

मंत्री सिंहदेव ने स्वास्थ्य विभाग के कामकाज की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टीएस सिंहदेव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ विभागीय कामकाज की समीक्षा की। रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय समीक्षा बैठक का दूसरा दिन था। बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं और उनके निदान पर चर्चा की गई।

बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को मिले बजट के खर्च से संबंधित वित्तीय एवं आरओपी के दिशा-निर्देशों के बारे में मैदानी अधिकारियों को जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर., स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदीपन, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक चंद्रकांत वर्मा और महामारी नियंत्रण के संचालक डॉ. सुभाष मिश्रा भी बैठक में मौजूद थे। सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, संभागीय संयुक्त संचालक, जिलों में पदस्थ विभागीय उप संचालक, ज़िला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने बैठक में कहा कि स्वास्थ्य का क्षेत्र सबसे चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्रों में से एक है। जीवन और मृत्यु से जुड़ा होने के कारण यह काफी संवेदनशील विभाग है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं डॉक्टरों से मरीजों और उनके परिजनों के साथ संवेदनशील होते हुए अच्छा बर्ताव रखने को कहा। चिकित्सा सेवा की संतुष्टि और मरीजों का भरोसा जीतने के लिए भी यह जरूरी है। श्री सिंहदेव ने बीते वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य विभाग के अच्छे कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की पीठ थपथपाते हुए बधाई दी।

श्री सिंहदेव ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में मातृत्व मृत्यु दर में 22 अंकों की गिरावट आई है। विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिए जाने के कारण वर्ष 2016 से 2018 के बीच 159 एमएमआर वाले छत्तीसगढ़ का एमएमआर अब घटकर 137 पर पहुंच गया है। प्रदेश में मातृत्व मृत्यु दर का अब तक का यह सबसे न्यूनतम आंकड़ा है। उन्होंने बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर इस आंकड़े को और तेजी से घटाने के लिए काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य में टीकाकरण का कवरेज 81 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत हो गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक में कहा कि प्रदेश के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए विभाग के पास पर्याप्त बजट है। स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए इसका पूर्ण उपयोग करें। उन्होंने विभाग को वित्तीय वर्ष की शुरूआत से ही योजनाबद्ध ढंग से पूरी क्षमता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न एम्बुलेंस सेवाओं महतारी एक्सप्रेस (102), संजीवनी एक्सप्रेस (108) और शव वाहन (1099) सुविधा के लिए एम्बुलेंस के लोकेशन समुचित ढंग से निर्धारित करने कहा जिससे की जरूरत पड़ने पर तत्काल ये सेवाएं मरीजों को उपलब्ध हो सके। उन्होंने प्रदेश के दूरस्थ अंचलों के ऐसे दुर्गम एवं पहुंचविहीन क्षेत्रों को चिन्हांकित करने कहा जहां पहुंच मार्ग या पुल-पुलिया नहीं होने के कारण एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाता है।

स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. ने बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के शुरूआती दो महीनों अप्रैल और मई में विभाग द्वारा प्राथमिकता से किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में स्थानीय स्वशासन की इकाईयों ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायतों को शामिल करते हुए उनकी सहायता लेने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्रदान करने, सीजीएमएससी द्वारा वेंडरों को भुगतान एवं अस्पतालों में दवा आपूर्ति की अवधि निर्धारित करने के लिए इन्हें लोक सेवा गांरटी में शामिल करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग इसेन्सियल ड्रग लिस्ट की तरह जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए इसेन्सियल इक्वीपमेंट लिस्ट भी जारी करेगा ताकि मरीजों के लिए जरूरी सेवाएं अनिवार्यतः संचालित की जा सके।

स्वास्थ्य विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक के दूसरे दिन आज मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, पीसीपीएनडीटी एक्ट के क्रियान्वयन, गैर-संचारी रोग, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, संचारी रोग, ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं, डायग्नोस्टिक सेवाओं, स्टॉफ के प्रशिक्षण, ब्लड-बैंक, सिकलसेल प्रबंधन केंद्रों, बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन तथा फायर सेफ्टी एंड पॉवर ऑडिट की समीक्षा की गई।

जल जीवन मिशन: राज्य में 21.20 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में निःशुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अंतर्गत अब तक 21 लाख 20 हजार 616 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके साथ-साथ राज्य के 43 हजार 942 स्कूलों, 41 हजार 676 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 17 हजार 286 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में सबसे अधिक 1 लाख 83 हजार 377 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है।

जल जीवन मिशन के तहत अब तक राजनांदगांव जिले में 1 लाख 53 हजार 811, रायपुर जिले में 1 लाख 26 हजार 655, रायगढ़ जिले में 1 लाख 20 हजार 575, धमतरी जिले में 1 लाख 16 हजार 133, बलौदाबाजार-भाटापारा में 1 लाख 2 हजार 407, कवर्धा 1 लाख 522, महासमुंद जिले में 97 हजार 559, बिलासपुर जिले में 92 हजार 634, बेमेतरा 91 हजार 191 और दुर्ग 90 हजार 600 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह मुंगेली में 83 हजार 141, बालोद में 82 हजार 508, गरियाबंद 70 हजार 775 जशपुर में 61 हजार 034,, कांकेर 60 हजार 364, बस्तर में 58 हजार 253, कोरबा में 57 हजार 482, बलरामपुर में 57 हजार 154, सरगुजा जिले के 55 हजार 884, सूरजपुर में 54 हजार 390, कोरिया में 52 हजार 769, कोण्डागांव में 51 हजार 399, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 24 हजार 672, बीजापुर 21 हजार 569, सुकमा में 20 हजार 686, दंतेवाड़ा में 19 हजार 779 और नारायणपुर जिले में 13 हजार 293 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

हमें भोजन आवश्यक है, तम्बाकू नही अतिरिक्त विषय पर भी होगी चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आगामी 14 अप्रैल को ग्राम सभा की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए है। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा-6 में ग्रामसभा का प्रत्येक तीन मास में कम से कम एक सम्मिलन आयोजित करने का प्रावधान है।

उक्त ग्राम सभा की बैठक में ग्राम सभा की पूर्व बैठक में पारित संकल्पों के क्रियान्वयन संबंधी पालन प्रतिवेदन, पंचायतों के विगत तिमाही के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन, पिछली छमाही में विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्य के नाम, प्राप्त राशि स्वीकृत राशि, व्यय राशि एवं कार्य की अद्यतन स्थिति का वाचन, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना से संबंधित जिलों की ग्राम पंचायतों में रोजगार गारंटी योजना में ग्रामीण परिवारों द्वारा रोजगार की मांग तथा उपलब्ध कराये गये रोजगार की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

ग्राम गौठानों के प्रबंधन एवं संचालन के संबंध में चर्चा, सुराजी ग्राम योजना के तहत नरवा, गरुवा, घुरूवा एवं बाड़ी से संबंधित कार्यों की प्रगति के संबंध में चर्चा, सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण एवं हितग्राहियों का सत्यापन के संबंध में कार्यवाही, जरूरतमंद व्यक्तियों के लिये पंचायतों द्वारा वितरित खाद्यान्न एवं उसके लाभान्वितों के नामों का वाचन, जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित प्रकरणों के लंबित, निराकृत एवं वितरित प्रमाण पत्रों की जानकारी दी जाएगी।

इसी तरह ग्राम सभा में मौसमी बीमारियों के निदान एवं निवारण पर चर्चा करना एवं उससे निपटने चिकित्सकीय सुविधाओं का अवलोकन करना एवं इस संबंध में जागरूकता फैलाना, सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 के संबंध में चर्चा किया जाय एवं सर्वेक्षण में व्यापक भागीदारी हेतु प्रेरित किया जाय। जिला पंचायत, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत द्वारा स्थानीय आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये अन्य विषयवस्तु को ग्राम सभा के एजेण्डे में सम्मिलित किया जा सकता है।

मंत्री अकबर द्वारा विभाग में चालान भुगतान के लिए यूपीआई आधारित क्यूआर बेस्ड भुगतान सुविधा की शुरूआत

मोबाइल वे-पैड से ओवरलोड गाड़ियों में होगा चालान प्रक्रिया का पारदर्शी और त्वरित एनफोर्समेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवहन विभाग द्वारा विभाग के कार्यों में पारदर्शिता और लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने शंकर नगर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में यूपीआई आधारित क्यूआर बेस्ड भुगतान सुविधा की शुरूआत की। चालानी कार्रवाई में पारदर्शिता के लिए पीओएस मशीन का उपयोग होगा। विभाग द्वारा आज मोबाइल वे-पैड से ओवरलोड गाड़ियों में चालान प्रक्रिया की शुरूआत भी की गई।

परिवहन मंत्री अकबर ने इस दौरान बताया कि प्रदेश में ओवर लोड गाड़ियों की चेकिंग के लिए 07 मोबाइल वे-ब्रिज की व्यवस्था की गई है। इससे प्रवर्तन अमले के द्वारा कहीं पर भी गाड़ी का वजन कराया जा सकेगा और प्रवर्तन में पारदर्शिता आयेगी। पीओएस के माध्यम से ऑनलाइन चालान होने से प्रवर्तन में पारदर्शिता आयेगी। यूपीआई आधारितर क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान करने की नई सुविधा भी शुरू की जा रही है। ओवरलोड गाड़ियों से

जहां शासन को राजस्व का नुकसान होता है, वहीं सड़कें भी समय से पहले खराब हो जाती हैं। अब इन ओवर लोड गाड़ियों पर लगाम लगाने के लिए परिवहन विभाग ने मोबाइल वे-ब्रिज खरीद लिया है। परिवहन विभाग के सभी फ्लाइंग स्क्वाड को मोबाइल वे-ब्रिज दिया जा रहा है। इससे माल वाहक गाड़ियों का वजन चेक किया जा सकेगा।

ज्ञात हो कि प्रदेश में करीब चार लाख माल वाहक गाड़ियां सड़कों पर दौड़ रही हैं। इसके साथ प्रदेश से महाराष्ट्र, बंगाल, गुजरात, झारखंड, पंजाब, उत्तर-प्रदेश और बिहार आदि राज्यों की गाड़ियां गुजरती हैं। अत्यधिक संख्या में गाड़ी होने के वजह से सभी गाड़ी की जाँच करने में समस्या होती है। यदि ओवर लोड गाड़ियां पकड़ी भी गई तो इनके वजन का माप करने के लिए धर्मकांटा ले जाना पड़ता है। ऐसे में धर्मकांटा दूर होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के निदान के लिए परिवहन विभाग ने 07 मोबाइल वे-पैड खरीदा गया है।

खदानों और उद्योगों के बाहर रहेगा मोबाइल वे-ब्रिज

परिवहन विभाग के अधिकारी ने बताया कि प्रदेशभर की खदानों और उद्योगों से निकलने वाली ज्यादातर गाड़ियां ओवर लोड रहती हैं। मोबाइल वे-ब्रिज के आने के बाद इसे खदानों और उद्योगों के बाहर खड़ा कर दिया जाएगा। उसके बाद खदानों और उद्योगों से निकलने वाली गाड़ियों की जांच कर कार्रवाई होगी।

चालानी कार्रवाई में पारदर्शिता के लिए पीओएस मशीन का होगा उपयोग

सुप्रीम कोर्ट की गाईडलाईन के मुताबिक ट्रैफिक नियमो को तोड़ने वालों के चालानी कार्यवाई में पारदर्शिता बनी रहे और काम जल्दी हो इसके लिए पूरे प्रदेश भर पीओएस मशीन के जरिये ई चालान और ईपेमेंट की शुरुआत की जा रही है। किसी व्यक्ति के पास जुर्माने की राशि नही है और ऑनलाइन भुगतान की कोई सुविधा भी नही है. तो उसका गाड़ी नम्बर और मोबाइल नम्बर फीड किया जाएगा. उससे एकाउंट जनरेट होगा. जो उसके फोन पर आएगा. इस नंबर पर पीओएस के जरिये लिंक भेजी जाएगी., जिस पर तीन दिन के अंदर भुगतान करना होगा। अन्यथा परिवहन कार्यालय में जाकर भी राशि भरी जा सकती है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

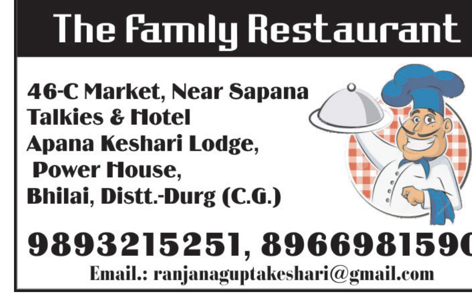

आम को खाने से पहले क्यों भिगोना चाहिए ?

जवाब जानना सेहत के लिए जरूरी है

वसंत का मौसम लगभग समाप्त हो चुका है और भीषण गर्मी का समय आ गया है. वैसे तो गर्मी का मौसम खाने-पीने के मामले में अच्छा नहीं माना जाता है लेकिन इस मौसम की कुछ चीजें ऐसी मजेदार हैं कि आपको इसका इंतजार रहता है. ऐसी ही चीजें हैं आम जिसको खाने के लिए लोग गर्मियों का बेसब्री से इंतजार करते हैं. गर्मियों में, हमारी भूख प्रभावित होती है. वहीं, फलों का राजा अपने स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के साथ यह सुनिश्चित करता है कि उन दिनों में भी जब कुछ खाने का मन ना करें तो भी आप कुछ खा सकें.

आम के फायदे

आम जितना स्वादिष्ट है उतना ही यह गुणों से भी भरपूर है, जो आपकी सेहत को कई फायदें देता है. आम पोषक तत्वों, एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर का भंडार हैं जो ऊर्जा को बढ़ावा देते हैं. यह कब्ज जैसी पाचन संबंधी समस्याओं को रोकता हैं. जिस फल में पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए और सी होता है वह आपकी त्वचा और बालों के लिए भी अद्भुत काम कर सकता है. कुछ अध्ययनों ने दिल के स्वास्थ्य और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के लिए इस अद्भुत गर्मियों के फल के लाभों का भी सुझाव दिया है.

खाने से पहले आम को क्यों भिगाना चाहिए

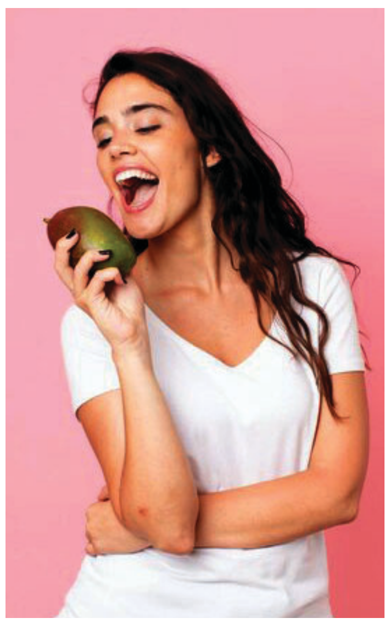

जहां कई लोग अपने आमों को बाजार से खरीदने के बाद फ्रिज में रखना पसंद करते हैं, वहीं कई लोग उन्हें स्टोर करने और खाने से पहले एक गहरे कंटेनर में भिगो देते हैं. क्या फलों को कुछ घंटों के लिए भिगोने का कोई मतलब है या यह सिर्फ एक मिथक है? आइए जानते हैं लोग ऐसा क्यों करते हैं:-

विशेषज्ञों की मानें तो आम न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं. वे विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सिडेंट की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देते हैं और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं. एक फल को सही तरीके से खाना महत्वपूर्ण है. उपयोग करने से पहले आम को भिगोना होगा चाहिए, ऐसा करने से सही पोषण प्राप्त करने में मदद मिलती है.

आम में फाइटिक एसिड होता है और आम को भिगोने से फाइटिक एसिड को कम करने में मदद मिलती है जो एक एंटी-न्यूट्रिएंट के रूप में काम करता है और हमारे शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण को कम करता है. आमों को भिगोने से एंजाइम की गतिविधि को बढ़ाने में मदद मिलती है जो फाइटिक एसिड को तोड़ने में मदद करता है. इसके साथ ही कई बार आम को पकाने के कारबाईड का उपयोद करते हैं जो कि पेट में गर्मी पैदा करता है, इससे सेहत को कई नुकसान भी होते हैं. आम को भिगा कर रखने से इसकी गर्मी निकल जाती है.

विशेषज्ञों के मुताबिक, आमों को खाने से पहले भिगोना एक सदियों पुरानी परंपरा है जिसका लोग पालन करते हैं और इसके पीछे एक अच्छा कारण है. मूल रूप से, अगर हम आमों को भिगोते हैं तो यह प्रक्रिया एंटी-न्यूट्रिएंट्स को हटाने में मदद करती है. एंटी-न्यूट्रिएंट्स कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डालते हैं. आयरन, कैल्शियम आदि. 3-4 घंटे के लिए आमों को भिगोना कीटनाशकों को भी दूर करने के लिए पर्याप्त भोजन है. आप उन्हें सामान्य नल के पानी में भिगो सकते हैं.

वैम्पायर के प्यार में पड़े डॉक्टर रॉय

खतरनाक है शांतनु और तान्या की टूथ परी का ट्रेलर

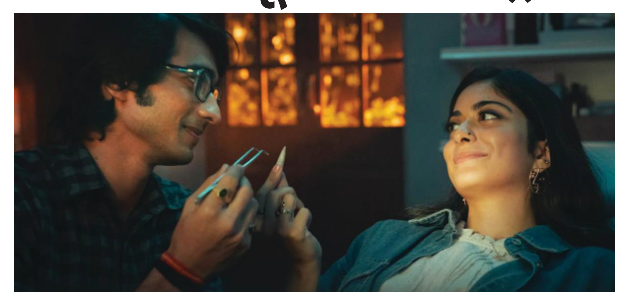

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बहुत से व्यूअर्स वैम्पायर हॉरर वेबसीरीज का बहुत दिन से वेट करते हुए नजर आते हैं. इस तरह के तमाम दर्शकों के लिए तान्या मानिकतला और शांतनु महेश्वरी अभिनीत वैम्पायर हॉरर सीरीज टूथ परी का ट्रेलर आउट कर दिया गया है. सीरीज के ट्रेलर को व्यूअर्स काफी पसंद कर रहे हैं. इस सीरीज में दर्शकों को एक कॉमन मैन की वैम्पायर के साथ लवस्टोरी को दिखाया जाएगा.

आने वाली वेबसीरीज के ट्रेलर को तान्या मानिकतला ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. सीरीज के ट्रेलर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा कि ट्विस्टेड लव, सीक्रेट वर्ल्ड, वैम्पायर और इंसानों का प्यार.

ट्रेलर के शुरुआती हिस्से में शांतनु और तान्या मानिकतला एक कॉमन मैन के रूप में नजर आते है. हालांकि जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, वैसे ही तान्या मानिकतला का वैम्पायर का रूप सामने आ जाता है. सीरीज में शांतनु एक डॉक्टर के रोल में तो वहीं तान्या मानिकतला वैम्पायर टूथ परी वैम्पायर के किरदार में दिखेंगी.

सीरीज का ट्रेलर देखने से समझा जा सकता है कि इसमें दर्शकों को एक फीमेल वैम्पायर की बहुत ही जबरदस्त लवस्टोरी देखने को मिलने वाली है, जो अपने प्यार के लिए जंग करती हुई नजर आएगी. सीरीज के ट्रेलर में बहुत ही शानदार ढंग से वैम्पायर की दुनिया को भी दिखाया गया है. वैम्पायर वेबसीरीज को पसंद करने वालों के लिए ये सीरीज बहुत अच्छा ऑप्शन बन सकती है. प्रीतम डी गुप्ता के द्वारा डायेक्ट टूथ परी को ओटीटी व्यूअर्स के लिए 20 अप्रैल को नेटफ्लिकस पर रिलीज किया जाएगा. अब ये देखना दिलचस्प रहेगा कि इस वैम्पायर हॉरर वेबसीरीज को दर्शकों का कितना प्यार मिलता है.

अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने खतरों के खिलाड़ी 13 से किया किनारा

स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' जल्द ही दस्तक देने वाला है. शो को लेकर आए दिन अपडेट्स आ रहे हैं. कुछ सितारों के नाम कंटेस्टेंट्स लिस्ट में कंफर्म बताए जा रहे हैं तो कुछ के ऑफर ठुकराने की बात सामने आ रही है. अब खबर है कि एक और टीवी एक्ट्रेस ने 'खतरों के खिलाड़ी 13' को मना कर दिया है.

'झांसी की रानी' फेम उल्का गुप्ता को 'खतरों के खिलाड़ी 13' से ऑफर मिला था और यहां तक कि वह खुद भी इस शो का हिस्सा बनना चाहती थीं, लेकिन उन्हें मजबूरी में शो को मना करना पड़ा. एक्ट्रेस ने ईटाइम्स को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में इसकी पुष्टि की है. उल्का ने कहा, हां, मुझे 'खतरों के खिलाड़ी' का ऑफर मिला था, लेकिन डेट की इश्यू की वजह से मैं ये नहीं कर सकती, लेकिन फ्यूचर में मैं इस शो का हिस्सा बनना चाहूंगी.

उल्का गुप्ता ने आगे कहा, मुझे एक्शन पसंद है. मैं देखना चाहती हूं कि मैं सारे टास्क कर पाऊंगी या नहीं. मेरी जिंदगी में फिटनेस बहुत जरूरी है. मैं हर दिन वर्क आउट करती हूं. मैं अपने खुद के टार्गेट्स बनाती हूं. बता दें कि उल्का से पहले प्रियंका चाहर चौधरी के शो ठुकराने की खबर सामने आई थी. खैर, आखिरी बार उल्का को 'बन्नी चाउ होम डिलीवरी' में देखा गया था.

रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाला 'खतरों के खिलाड़ी 13' की शूटिंग जल्द ही अर्जेंटीना में शुरू होगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो को 17 जुलाई 2023 से टेलीकास्ट किया जाएगा. कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में अर्चना गौतम, सौंदर्या शर्मा, मुनव्वर फारूकी, अंजलि अरोड़ा, शिव ठाकरे जैसे स्टार्स का नाम सामने आ रहा है. फिलहाल, अभी डेट और कंटेस्टेंट्स की लिस्ट कंफर्म नहीं है.

शाहिद कपूर की ब्लडी डैडी का पहला लुक जारी, एक्शन अवतार में नजर आए अभिनेता

बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर ने हाल ही में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा था। उनकी सीरीज फर्जी अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस वेब सीरीज को लोगों ने दिल खोलकर प्यार दिया है। इतना ही नहीं फैंस तो अब इस सीरीज के दूसरे पार्ट का डिमांड कर रहे हैं। इस बीच शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म ब्लडी डैडी का पोस्टर आउट हो गया है जो कि इंटरनेट पर ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। इस नए पोस्टर में शाहिद कपूर का लुक देखने लायक है। बताया जा रहा है कि फिल्म का टीजर भी जल्द रिलीज होने वाला है। शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म ब्लडी डैडी का पोस्टर इंटरनेट पर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। इसमें शाहिद बेहद इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। शाहिद का ये अंदाज सभी को खूब पसंद आ रहा है। इस

मूवी का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है। फिल्म में मुख्य भूमिका में शाहिद कपूर के साथ अंकुर भाटिया भी हैं। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर इस पोस्टर को शेयर करते हुए बताया है कि इसका टीजर जल्द ही रिलीज होने वाला है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। फैंस को इस मूवी का बेसब्री से इंतजार है।

बताते चलें कि शाहिद कपूर इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उनकी सीरीज फर्जी ने सभी का दिल जीत लिया है। ऐसे में अब शाहिद को ये एहसास हो गया है कि ओटीटी पर वो और भी बेहतर परफॉर्म कर सकते हैं। शाहिद कपूर अपनी एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्म कबीर सिंह इस बात की गवाही देती है। मूवी में शाहिद कपूर के साथ कियारा आडवाणी भी थी। इन दोनों की जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। मालूम हो कि शाहिद कपूर की कई फिल्में पाइपलाइन में है।

सोरारई पोटरु का हिंदी संस्करण 1 सितंबर को सिनेमाघरों में होगा रिलीज

हिंदी सिनेमा के दमदार कलाकार अक्षय कुमार आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं. अक्की की इन अपकमिंग फिल्मों में साउथ सुपरस्टार सूर्या की फिल्म सोरारई पोटरू का हिंदी रीमेक भी शामिल है. मंगलवार को अक्षय कुमार ने अपनी इसी फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया है. हालांकि फिल्म का टाइटल अभी रिवील नहीं किया है. सोरारई पोटरू के रीमेक के इस पोस्टर को लेकर लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं. अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर सोरारई पोटरू के हिंदी रीमेक का फर्स्ट लुक पोस्टर रिवील किया है. इस पोस्टर में आप देख सकते हैं कि अक्षय कुमार एक पायलट के लुक में दिखाई दे रहे हैं. इस पोस्टर के साथ अक्की ने लिखा है कि- टेक ऑफ के लिए हम तैयार हैं. प्रोडेक्सन नंबर 27 (अनटाइटल) 1 सितंबर 2023 को वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है.

किसी का भाई किसी की जान के ट्रेलर लॉन्च पर शहनाज गिल का दिखा बोल्ड अवतार

बिग बॉस सीजन 13 की एक्स कंटेस्टेंट और एंटरटेनमेंट क्वीन शहनाज गिल ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में शहनाज गिल का काफी बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। बता दें कि सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम एकसाथ नजर आई थी। जहां शहनाज गिल के ग्लैमरस लुक ने लाइमलाइट लूट ली थी। पंजाब की केटरीना शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' को लेकर चर्चाओं में हैं। बता दें कि 10 अप्रैल को मुंबई में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। जहां उनकी पूरी टीम एकसाथ नजर आई थी। जहां शहनाज गिल ने अपने बोल्ड अवतार से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लिया था। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जिसें वो बेहद ही बोल्ड पोज देती हुई नजर आ रही हैं। शहनाज गिल ने अपने लेटेस्ट लुक में ब्लैक कलर का बेहद ही सिजलिंग डीपनेक टॉप के साथ ही ब्लैक शॉर्ट पहना हुआ है। अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने बाहर से ब्लैक कलर की कोट कैरी की है। ओपन हेयर और लाइट ग्लोसी मेकअप कर के एक्ट्रेस शहनाज गिल ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा अच्छे से निखारा है। एक्ट्रेस शहनाज गिल जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों पर भी अब तक 6 लाख से ज्यादा लोगों के लाइक्स आ चुके हैं।

आंखों की सूजन कम करना चाहते हैं तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

उम्र बढ़ने और त्वचा के खराब स्वास्थ्य जैसे कई कारणों की वजह से आंखों के नीचे के क्षेत्र में सूजन की समस्या हो जाती है। हालांकि, इससे राहत पाने के लिए आपको किसी दवाई या क्रीम की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही प्राकृतिक और घरेलू उपचार से आंखों की सूजन से छुटकारा पा सकते हैं। चलिए फिर आज इसी से जुड़े 5 घरेलू नुस्खे जानते हैं।

टी बैग्स का इस्तेमाल करें

टी बैग्स एक बेहतरीन हैक है, जिसे आप आंखों की सूजन कम करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। लाभ के लिए दो ग्रीन टी बैग को लगभग 5 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद उन्हें करीब 20 मिनट के लिए फ्रिज में रखें और फिर उनमें से अतिरिक्त पानी निचोड़कर आंखों पर करीब 30 मिनट तक लगाएं। आप इस्तेमाल किए हुए टी बैग्स को दोबारा इन कामों में उपयोग कर सकते हैं।

ज्यादा से ज्यादा सोने की कोशिश करें

आप कितने घंटे सोते हैं और किस तरह से सोते है, यह दोनों ही चीजें महत्वपूर्ण हैं। अगर आप दिन में 7 घंटे से कम सोते हैं तो आंखों की सूजन होना लाजमी है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा सोने और अपनी नींद पूरी करने की कोशिश करें। इसके अलावा सोते वक्त अपने सिर को थोड़ा ऊपर उठाएं। यह आपकी निचली पलकों में अनावश्यक तरल पदार्थ के संचय को रोकता है।

डाइट में अधिक कोलेजन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें

उम्र बढ़ने की वजह से भी आंखों के नीचे के क्षेत्र में सूजन की समस्या होने लगती है। इससे राहत पाने के लिए रोजाना अधिक कोलेजन युक्त भोजन खाएं क्योंकि यह आपके चेहरे की मांसपेशियों और ऊतकों को अधिक ताकत प्रदान करता है। विटामिन सी शरीर में कोलेजन उत्पादन को बढ़ाती है, इसलिए आपको नियमित रूप से नींबू, संतरा और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना चाहिए।

ठंडी सिकाई से भी मिलेगी राहत

ठंडी सिकाई से जलन या सूजन कम हो जाती है क्योंकि यह प्रभावित क्षेत्र में रक्त के प्रवाह को कम कर देती है। आंखों की सूजन कम करने के लिए सिकाई एक बढ़िया घरेलू उपचार है। लाभ के लिए बर्फ के टुकड़ों को प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। आप चाहें तो फ्रिज में रखें खीरे को भी काटकर आंखों के ऊपर 20 मिनट तक रख सकते हैं।

ठंडा दूध भी आएगा काम

आंखों की सूजन कम करने के लिए ठंडा दूध भी मददगार साबित हो सकता है। लाभ के लिए 2 साफ कॉटन पैड लें और उन्हें ठंडे दूध में डुबो दें। इसके बाद उन्हें बाहर निकालकर उनका अतिरिक्त दूध निचोड़ लें और फिर उन्हें अपनी आंखों पर 10 मिनट के लिए रखें। अगर आप अपने दैनिक स्किन केयर रूटीन में ऐसा करेंगे तो यह आपकी आंखों के लिए बेहद फायदेमंद होगा।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए आज प्लेसमेंट कैम्प

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 अप्रैल 2023 को जिला रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सवेरे 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित होगा। इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से मारूति सुजुकी इंड़िया लिमिटेड (टेक्नोसिम टेऊनिंग सर्विसेस) द्वारा 18 से 20 वर्ष के न्यून्तम 50 प्रतिशत अंक के साथ 10वीं उत्तीर्ण पुरूष आवेदकों की भर्ती टेऊनीज पद पर की जाएगी। इन पदो के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण हेतु 14,200 रूपये प्रतिमाह के मानदेय पर मारुति सुजुकी के गुरुग्राम (हरियाणा) स्थित प्लांट के लिए की जाएगी। इसी तरह विनायक जॉब कन्स्लटेंट, रायपुर द्वारा सिक्योरिटी ऑफिसर और गार्ड के 16 पदों के लिए 24 से 40 वर्षीय 12वीं तथा स्नातक उत्तीर्ण एक्स सर्विसमैन अथवा कार्यानुभवी आवेदकों की भर्ती की जाएगी। इन पदो के लिए अधिकतम 7 लाख रूपये प्रतिवर्ष की दर से भुगतान किया जाएगा। इसी तरह 10वीं उत्तीर्ण 400 अकुशल श्रमिकों की भर्ती अधिकतम 1.44 लाख रूपये प्रतिवर्ष की दर पर की जाएगी।

लू से बचाव के लिए बरतें सावधानी और करें उपाय

रायगढ़। जिले में बदलते मौसम के साथ ही गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। जिसकी वजह से कई बीमारियों के साथ तेज गर्मी से लोगों को लू लगने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए ऐसे वक्त में लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। गर्मी मौसम में दैनिक मजदूर, ट्रैफिक स्टाफ, स्कूली बच्चे सहित अन्य क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को अक्सर घर से बाहर जाना पड़ता है जिससे उनके लू के चपेट में आने की आशंका बनी रहती है। इससे बचाव व विशेष सावधानी रखने के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर द्वारा बताया गया कि तेज धूप में लंबे समय तक रहने से शरीर में पानी एवं खनिज लवण की कमी हो जाती है जिसे लू कहा जाता है। जैसे-सिर में भारीपन, शरीर में तेज दर्द, तेज बुखार, चक्कर, उल्टी आना, बार-बार मुँह सूखना, पेशाब कम आना, बेहोशी ये सब लक्षण लू लगना दर्शाते है।

अमृत मिशन के प्लान के मुताबिक हो सारे कार्य, गर्मी के दिनों में न हो पेयजल संकट

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने जल कार्य विभाग एवं अमृत मिशन के अधिकारियों की बैठक ली। घंटे भर से अधिक चली बैठक में शहर में पेयजल की दिक्कत न हो इस विषय पर काफी लंबी चर्चा हुई।महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो गया है।ऐसे में शहर के वार्डों में पेयजल संकट की स्थिति न बने।उन्होंने कहा कि मिशन अमृत के समस्त कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने की बात कही और शहर से पेयजल की समस्त समस्याओं का निराकरण करने को कहा गया।पाइप लाइन से वंचित एरिया में पाइप बिछाने के लिए निर्देशित किये।अमृत मिशन कार्यों का एजेंसी को संचालन हेतु हैंड ओवर करने आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि अमृत मिशन के प्लान के तहत सारे कार्य पूर्ण हो। उन्होंने ने कहा कि जल की बर्बादी को रोकने पर विशेष रूप से फोकस करें। बैठक में इंटरकनेक्शन की स्थिति की जानकारी रिपोर्ट मांगी।अमृत मिशन के तहत बिछाए जा रहे पाइपलाइन को शीघ्र अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश उन्होंने दिए। अंतिम छोर के व्यक्ति को पानी मिल रहा है या नहीं इसका फील्ड स्तर पर निरीक्षण कर विकल्प के साथ रिपोर्ट देने बैठक में कहा गया है।

बिरनपुर हिंसा के बाद समाज प्रमुखों की हुई बैठक

कलेक्टर ने की शांति की अपील, सभी ने की घटना की निंदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। बिरनपुर हिंसा की घटना के मद्देनजर जिला प्रशासन, पुलिस के आला अफसरों और सर्व समाज प्रमुखों एवं ग्रामीणों के साथ शांति समिति की बैठक ग्राम बिरनपुर में हुई। कलेक्टर पीएस एल्मा और दुर्ग संभाग के प्रभारी आईजी आनंद छाबड़ा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक में सर्व समाज प्रमुखों ने बिरनपुर में हुई घटना की कड़ी निंदा की। प्रतिनिधियों ने गांव में शांति व्यवस्था बनाये रखने की सहमति जताई।

शांति समिति की बैठक में कलेक्टर पीएस एल्मा ने सामाजिक सद्भावना-आपसी भाईचारे के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने समाज प्रमुखों से कहा कि बिरनपुर की घटना में शांति भंग करने में जो भी व्यक्ति शामिल हैं, उन सभी व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाही की जाएगी। बैठक में सर्व समाज के प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कहा कि हम गांव में लंबे समय से साथ रह रहे हैं। पर्व त्यौहार भी साथ में मनाते रहे हैं। मतभेदों को साथ में बैठकर सुलझाएंगे और यह प्रयास करेंगे कि भविष्य में ऐसी परिस्थिति उत्पन्न ना हो।

कलेक्टर ने शांति समिति की बैठक में कहा कि बिरनपुर गांव में सभी समाज के लोग सदियों से साथ रहते आये हैं। कुछ घटनाओं के कारण मतभेद हुए हैं, आपस में बैठकर मतभेद सुलझाये। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन द्वारा हर संभव मदद दी जाएगी। सभी लोग अमन चैन और शांति बनाए रखने में सहयोग करें, प्रशासन आपके साथ है। उन्होंने कहा गांव में राशन, बिजली, पानी सहित सभी जरूरी व्यवस्थाओं के संबंध में मदद दी जाएगी। गांव में एक स्वास्थ्य की टीम तैनात की गई है जो इलाज के साथ दवाईयां आदि उपलब्ध कराने में मदद करेगी। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक संजीव शुक्ला, पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलेसेला सहित सर्व समाज के पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक एलेसेला ने कहा अफवाहों से रहे दूर

शांति समिति की बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री ऐलसेला ने ग्रामीणों को समझाईश देते हुए कहा कि आप अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचिए, उन्हें अच्छी शिक्षा दीजिये ताकि बच्चे अपना कैरियर बना सके। उन्होंने कहा कि हम सब को मिलकर समस्या के समाधान की दिशा में कार्य करना होगा। पुलिस अधीक्षक एलेसेला ने शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिलेवासियों से अपील करते हुए धारा-144 का पालन करने, किसी भी असामाजिक तत्वों के बहकावे में ना आने कहा। उन्होंने अफवाहों से बचने, फेक वीडियो, फेक फोटो, या किसी भी तरह के भड़काऊ पोस्ट जिससे किसी भी धार्मिक आस्था या व्यक्ति की छवि धूमिल हो सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट करने से बचने की समझाईश दी। उन्होंने कहा कि जिले के किसी भी स्थान में भीड़ इकट्ठा ना करें। शांति व्यवस्था बनाए रखने ड्यूटी पर तैनात पुलिस के अधिकारी जवानों का सहयोग करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस से मदद की आवश्यकता है तो पुलिस से मदद लीजिये।

संपत्तिकर के लिए चेक से टैक्स पटाने वाले अपने खातों में रखें पर्याप्त राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में चेक के माध्यम से टैक्स देने वाले करदाता कृपया अपने खातों में टैक्स के लिए की जाने वाली अदा राशि के संबंध में पर्याप्त राशि अपने अकाउंट में सुरक्षित रखें ताकि जो चेक करदाता द्वारा दिया गया है उससे कर आहरित करने पर चेक बाउंस की स्थिति निर्मित न हो। चेक बाउंस होने की दशा में निगम एफआईआर भी कराएगा। भिलाई निगम के पास ऐसे कई मामले संज्ञान में आए हैं जिनमें चेक बाउंस होने की शिकायतें मिल रही है। इसे लेकर निगम प्रशासन सतर्क हो गया है तथा इन मामलों में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई हो सकती है। चेक बाउंस की बात करे तो जोन क्रमांक 1 छेत्र अंतर्गत लगभग 12 मामले की जानकारी मिल रही, इसी प्रकार वैशाली नगर जोन क्षेत्र तथा मदर टैरेसा नगर जोन क्षेत्र, खुर्सीपार जोन क्षेत्र आदि से चेक के माध्यम से टैक्स देने वाले करदाताओं के चेक बाउंस होने, खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने तथा चेक में हस्ताक्षर विभिन्न होने के लगभग 56 मामले सामने आए हैं। निगम ने इन मामलों को गंभीरता से लिया है, शीघ्र ही इस पर एक्शन लिया जा सकता है। भिलाई निगम की करदाताओं से अपील है कि चेक देने वाले करदाता कृपया अपने खातों में पर्याप्त राशि रखें जिसके माध्यम से कर का भुगतान हो सके, इसके अलावा चेक में हस्ताक्षर करते समय बैंक में लेनदेन करने वाले हस्ताक्षर का ही उपयोग करें ताकि हस्ताक्षर की विभिन्नता से समस्या न आए।

टैक्स जमा करने वालों के लिए अच्छी खबर, यूपीआई सिस्टम चालू शासन द्वारा टैक्स जमा करने की अवधि बढ़ाने के बाद वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 30 अप्रैल तक टैक्स जमा करने में कोई भी अधिभार देने की आवश्यकता नहीं होगी। इधर निगम में टैक्स जमा करने वालों के लिए सुखद खबर है। अब टैक्स जमा करने आने वाले लोगों को यूपीआई सिस्टम की व्यवस्था मिलेगी। यूपीआई सिस्टम के माध्यम से फोन पे, गूगल पे, पेटीएम आदि के माध्यम से करों का भुगतान किया जा सकेगा। निगम के मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन कार्यालयों में यूपीआई सिस्टम के माध्यम से कर जमा करने की सुविधा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त रोहित व्यास टैक्स कलेक्शन की बढ़ोतरी के लिए अधिकारियों को लगातार निर्देशित कर रहे हैं। इसी तारतम्य में शीघ्र ही ऑनलाइन की व्यवस्था भी की जा रही है। परंतु तब तक शहर से वाले बाहर रहने वाले लोग हेल्पलाइन नंबर 9153986192 तथा 9153986196 पर संपर्क करके खाता नंबर 50200078894152 पर आसानी से टैक्स जमा कर सकते हैं। श्री

स्कूली बच्चों ने रैली निकालकर मतदान के प्रति किया लोगों को जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत कसारीडीह वार्ड 42 क्षेत्र के रिक्त पार्षद पद पर चुनाव कराया जाना है। जिसमें मतदाता सूची पुनरीक्षण के पश्चात प्रारंभिक प्रकाशन होने पर 10 अप्रेल से लेकर 17 अप्रेल तक दावा आपत्ति लिया जा रहा है।जिंसमे वार्ड 42 के सभी मतदातागण अपने मतदाता सूची का अवलोकन संबन्धित वार्ड के साई मंदिर के पास कसारीडीह स्कूल में बीएलओ से संपर्क कर अपने नाम का अवलोकन कर सकते है।

इस दौरान नाम नही होने पर अपना नाम जोड़ने संशोधन तथा विलोपन के लिए दावा आपत्ति किया जा सकता है।अधिक से अधिक मतदान करने एवं मतदाता सूची में 18 वर्ष के मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु मतदाता जागरूकता जाबो कार्यक्रम के अंतर्गत आज शासकीय प्राथमिक शाला कसारीडीह के स्कूली बच्चो ने सुबह मतदाता जागरूकता की रैली निकाली।मतदान के प्रति किया जागरूक,जागो वोटर,जाबो मतदाता जागरूकता रैली में बच्चों ने लगाए नारे - आपका मतदान लोकतंत्र की जान देश करत हवय आहवान,बहुत जरूरी है मतदान,इस दौरान बच्चों ने कसारीडीह,राव कॉटेज लाइन होते हुए बेर पारा,सुभाष नगर से लेकर कन्हैयापुरी चौक कसारीडीह क्षेत्र के विभिन्न जगहों में बच्चों ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास जताते हुए अभिभावकों और आसपास के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया।मतदाता जागरूकता रैली में शामिल बच्चे हाथों में पोस्टर लिए क्षेत्र के लोगों को लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करते जा रहे थे। नर हो या नारी, मतदान है सबकी जिम्मेदारी, सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो,घर-घर साक्षरता लाएंगे ,सबसे वोट दिलवाएंगे, देश व प्रदेश की तरक्की तभी करेगा, हर वोटर जब वोट करेगा,जागो-जागो हे मतदाता,तुम भारत के भाग्य विधाता और

कोरोना के बढ़ते केस के मामले में सेक्टर 9 अस्पताल में 'मॉक ड्रिल' के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के सेक्टर 9 स्थित पं.जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालाय एवं अनुसंधान केंद्र में आपातकालीन और स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा के लिए सोमवार 10 अप्रैल, 2023 को संयंत्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. एम रविन्द्रनाथ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पी बिनायके और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के ठाकुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चेस्ट) डॉ. त्रिनाथ दास के मार्गदर्शन में ''मॉकड्रिल'' किया गया।

इस मॉक ड्रिल में आईसीयू बेड, आवश्यक दवाइयां, आपातकालीन सुविधायें, आइसोलेसन रूम, ड्यूटी स्टेशन, पीपीई किट, नमूनों का संग्रह, प्रयोगशाला, सैनिटाईजेशन की व्यवस्था, ड्रग्स एवं डिस्पोसल, ऑक्सीजन की आपूर्ति, उपचार प्रोटोकॉल, रैपिड रिस्पांस टीम और अन्य महत्वपूर्ण देखभाल की व्यवस्था एवं तैयारियों की समीक्षा की गयी। पिछले कुछ दिनों में कोविड -19 मामलों में लगातार वृद्धि देखते हुये भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना महामारी को लेकर गाइडलाइन भी जारी कर दिया है तथा अस्पतालों को इससे निपटने तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इन्ही दिशा निर्देशों का पालन करते हुए इस ''मॉक ड्रिल'' किया गया। कोरोना के बढ़ते मामलों को देख केंद्र सरकार समेत राज्य सरकारें भी सतर्क हो गई हैं। तेजी से बढ़ रहे कोविड 19 के मामलों की समीक्षा के दौरान 10 अप्रैल, 2023 को भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग द्वारा संचालित पं. जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय और अनुसंधान केंद्र, सेक्टर 9 में एक एम्बुलेंस अचानक आपातकाल कैजुअल्टी इमरजेंसी गेट पर आ खड़ी हुई। दो पीपीई किट पहने कर्मचारियों ने मरीज को एम्बुलेंस से बाहर निकाला। मरीज की हालत गंभीर होने के कारण उसे स्ट्रेचर द्वारा आकस्मिक आपात स्थिति के एक कक्ष में बीपी, ऑक्सीजन लेवल, फेफड़ों में संक्रमण का स्तर, पल्स, शुगर और अन्य जांच कर फ्लू क्लिनिक भेजा गया। जहां कोविड-19 लैब के एक काउन्टर में मरीज का विवरण लिया गया और सैम्पल कलेक्शन एरिया काउन्टर में कोविद जाँच हेतु सैम्पल कलेक्ट किया गया। प्राथमिक जांच के बाद उन्हें काउंसलिंग रूम में ले जाया गया जहां चिकित्सक द्वारा मरीज से और उनके परिजनों से आवश्यक पूछताछ की गई जैसे वैक्सीनेशन हुआ या नहीं, हाल ही में कोई यात्रा की गई या नहीं तथा पुन: उनकी जांच के बाद बताया गया कि उन्हें होम आइसोलेशन की जरूरत है या नहीं। गया। इसी दौरान एक दूसरा मरीज आया, जिसकी उक्त प्रक्रिया से ही जाँच किया गया, जाँच से उसकी स्थिति सामान्य थी जिसके बाद उसे होम आइसोलेशन के लिए भेज दिया गया।

चूंकि पहले मरीज की हालत गंभीर थी उन्हें गहन देखभाल इकाई के वेंटिलेटर और अन्य जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण के कोविड वार्ड में शिफ्ट कर उनका उपचार शुरू किया गया। साथ ही चिकित्सालय में अन्य मरीजों की भी जाँच हुई और यह पाया गया कि यदि कोई मरीज गंभीर हालत में नहीं है तो आकस्मिक आपातकाल (कैजुअल्टी इमरजेंसी) में ही बने कोविड ट्राइएज काउन्टर में संदिग्ध रोगियों का तापमान माप कर उन्हें आवश्यकतानुसार ओपीडी या फ्लू क्लिनिक भेजा गया।

संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर मैनपुर में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर में इस वर्ष संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती धुमधाम के साथ मनाने समस्त बौद्ध महार समाज द्वारा जोर शोर से तैयारी किया जा रहा है।

तहसील मुख्यालय लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में जयंती मनाने बैठक आयोजित किया गया बैठक में प्रमुख रूप से बौद्ध महार समाज के अध्यक्ष ललित डाहटे, आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जनक ध्रुव,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भोला जगत,गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के संभागीय अध्यक्ष महेन्द्र नेताम,शहर कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव विशेष रूप से उपस्थित थे बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 132 वीं जयंती पर 14 अप्रैल दिन शुक्रवार को शाम 4 बजे मैनपुर में भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी जिसमें पुरे क्षेत्रभर के लोग शामिल होंगे एंव शाम 6 बजे अम्बेडकर चौक में आम सभा समारोह का आयोजन किया गया है।इस मौके पर प्रमुख रूप से सचिव खिलेन्द्र कुटारे, उपाध्यक्ष नंदलाल वासनिक, महेश बाम्बोडे, श्रीमती प्रवित्रा बाम्बोडे,गुंजेश कपील,बीआर टांडिया,यशवंत बघेल एंव बडी संख्या में क्षेत्रभर के लोग उपस्थित थे।

हरकतें बता रहीं कि हताश है पार्टी

श्रीकंचनपथ

राज्य के कुछ हिस्सों से खबर आ रही है कि हिन्दू संगठन लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे गैर हिन्दू समुदायों की दुकानों से सामान न खरीदें। कहीं-कहीं इन संगठनों ने संकल्प भी लिया है। कोरबा के एक व्यापारी ने लोगों से अपील की है कि वे केवल अपने ही धर्म के लोगों को नौकरियां दें। सरगुजा जिले से एक वीडियो सामने आया है जिसमें कुछ लोग गैर हिन्दुओं की दुकान से सामान नहीं खरीदने की अपील कर रहे हैं। अब जगदलपुर से एक वीडियो सामने आया है जिसमें भाजपा और विहिप के नेता लोगों से गैर-हिन्दुओं की दुकानों से सामान नहीं खरीदने का संकल्प ले रहे हैं। वैसे आर्थिक बहिष्कार का यह टोटका पुराना है। पहले इसका उपयोग अपने ही समुदाय के लोगों को अलग-थलग कर उन्हें गांव से निकालने के लिए किया जाता था। ऐसा उन लोगों के साथ किया जाता था जो या तो समाज की बात नहीं मानता था या फिर गांव की पंचायत के किसी आदेश का पालन नहीं कर पाता था। ऐसे लोग गांव-बिरादरी से बेदखल होकर दर-दर की ठोकरें खाने को विवश हो जाते थ। इसे पौनी पसारी बंद करना कहते थे। ऐसा एक मामला दो साल पहले भी खल्लारी थाने में दर्ज हुआ था। अब ऐसे मामलों में कानूनी उपचार उपलब्ध हैं. ऐसे मामलों में गांव वालों का पलड़ा ही भारी होता था क्योंकि पौनी पसारी इक्का-दुक्का लोगों या परिवारों की बंद की जाती थी। उसपर समाज का दबाव बन जाता था और वह समाज के आगे समर्पण कर देता था। पर इस बार मामला अलग है. इस बार समुदायों को निशाने पर रखा गया है। एक समुदाय की पौनी पसारी बंद होगी तो वह चुप नहीं बैठेगा. ऐसा करना न केवल गैरकानूनी है बल्कि संविधान की मूल भावना के भी खिलाफ है। जो लोग इस देश पर धर्म के बहाने कब्जा करने चाहते हैं, देखने में उनकी आबादी ज्यादा भले ही लगती हो पर हैं वो अल्पसंख्यक। जिन्हें अपने साथ मिलाकर वो अपना संख्या बल दिखाना चाहते हैं, उनके हाथ का तो वो पानी तक नहीं पीते थे. उनका साया मात्र पड़ जाने पर कुलीन दोबारा स्नान करते थे. सिर उठाने की इनकी छोटी सी कोशिश को बेरहमी से कुचल देते थे। यही कारण है कि संविधान लागू होने के बाद भी बहुजन समाज के नाम पर राजनीति संभव हुई। सवाल यह उठता है कि आखिर छतीसगढ़ में इस तरह की राजनीति की जरूरत क्यों पड़ी? जाहिर है कि विपक्ष एक भी ऐसा मुद्दा उठाने में अब तक विफल रहा है जो सत्ता को असहज करता हो या उसे पहले से बुरी सरकार साबित करता हो. अब उसके पास यही एक आखिरी रास्ता बचा है. घिर जाने पर तो बिल्ली भी शेरनी हो जाती है, किसी का रोजगार छीन लेने पर वह क्या-क्या कर सकता है, इसका अंदाजा लगा पाना कोई बहुत बड़ी बात नहीं ह।

खास-खबर

जानलेवा हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। जिले के खरसिया थानाक्षेत्र अंतर्गत के ग्राम तिउर में मकान के बाउंड्री को ऊंचा करने पर उपजे विवाद को लेकर दो पडोसी आपस में भीड़ गये। एक पक्ष के दो भाईयों ने दूसरे पक्ष के पिता-पुत्र पर टंगिया डंडा से मारपीट कर चोट पहुंचाया गया है। घटना में सुबीत राम निषाद को गंभीर चोटें आयी है जिसे प्राथमिक उपचार बाद रायपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर आहत के पुत्र सूरज कुमार निषाद (उम्र 37 साल) ने 10 अप्रैल को थाना खरसिया में रिपोर्ट दर्ज कराया कि ये अपने परिवार के साथ तिउर में बनाये नये मकान में रहता है। इनका तिउर में ही एक और पुराना मकान है। अपने पुराने मकान के पीछे सुरक्षा को लेकर छोटे दिवाल को तोडवाकर दिवाल ऊंचा करा रहे हैं कि 10-04-23 के दोपहर सूरज अपने पिताजी सुबीत राम निषाद के साथ मिस्त्री और मजदूर से काम कर रहा था। तभी मकान के बगल में रहने वाले दो भाई आये और दिवाल को उंचा करने से मना करते हुये सूरज और उसके पिता सुबीत राम को गाली गलौच कर डंडा से मारपीट करना शुरू कर दिये। तब सूरज भागकर अपनी जान बचाया, आरोपित दोनों लड़कों ने सुबीत राम निषाद पर डंडा और टंगिया से वार कर गंभीर चोट पहुंचाये। आहत को ईलाज के लिये सिविल अस्पताल खरसिया लाया गया जहां से रायगढ़ बाद रायपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना पाकर तत्काल थाना प्रभारी खरसिया निरीक्षक आर्शीवाद राहटगांवकर अपने स्टाफके साथ ग्राम तिउर पहुंचे और आरोपित दोनों भाईयों को हिरासत में लिये जिसमें एक नाबालिग है।

रजोली में कार की टक्कर से छात्र घायल, भिलाई रेफर

बालोद (ए)। गुंडरदेही-धमतरी मुख्य मार्ग पर ग्राम रजोली नहर पुलिया के पास कार की टक्कर से मयंक कुर्रे घायल हो गया। चंदूलाल चन्द्राकर अस्पताल सुपेला भिलाई में उसका इलाज चल रहा है। भागराज कुर्रे ने बताया कि 9 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे नाती मयंक कुर्रे घर से नहाने के लिए नहर जा रहा था। इसी दौरान धमतरी-गुंडरदेही मार्ग पर मोखा की ओर से आ रहे कार चालक ने टक्कर मार दी। जिससे सिर, कमर, दाहिना पैर के जांघ में चोट लगी है। वाहन चालक ने खुद घायल को बिठाकर सीएचसी गुंडरदेही ले गया। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जिसके बाद भिलाई के अस्पताल में भर्ती कराए हैं। रनचिरई थाने में कार चालक के खिलाफधारा 279, 337 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

सोलर पंप में लगे केबल व वाइंडिंग तार चोरी का खुलासा, चोर के साथ खरीदार भी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खेतों में लगे सोलर पंप से केबल तार व मोटर पंप के वाइंडिंग तार चोरी करने वाले शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोर के साथ ही खरीदार को भी गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने 15 से अधिक मामलो का खुलासा किया। आरोपी ने राजनांदगांव, दुर्ग, धमतरी, बेमेतरा, बालोद क्षेत्रों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरी से पहले दिन में रेकी करते और रात में चोरी करते थे। आरोपी थाना पाटन, रानीतराई, जामगांव, अण्डा, उतई, अम्लेश्वर के कुल 10 अपराधों में संलिप्त रहा है। एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने आज इसका खुलासा किया है।

बता दें दुर्ग पुलिस के बाद लगातार केबल वायर चोरी होने की सूचना मिल रही थी। इसके बाद चोरों की तलाश के लिए पुलिस ने स्पेशल टीम बनाई। इस बीच पाटन पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम सोनुपर के खेत में लगे सोलर प्लेट के पास दो संदिग्ध व्यक्ति नजर आ रहे हैं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों से पूछताछ की। इस दौरान दोनों ने पुलिस को बताया कि खेत खरीदने के लिए देख रहे हैं। इस दौरान पुलिस को शक हुआ तो थाने ले जाकर उनके पूछताछ की गई। इस पर दोनों ने चोरी की बात बताई। पहले तो दोनों ने तरीघाट में खारून नदी किनारे सोलर पंप हाउस में मोटर पंप के वाईडिंग तांबा तार को चोरी करना स्वीकार किया।

कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी कैंप 1 अर्जुन नगर निवासी सुख देव राय ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से आस-पास के क्षेत्र पाटन, रानीतराई, जामगांव, अण्डा, उतई, अम्लेश्वर, भिलाई 03, भखारा, धमतरी, बालोद, रनचिरई, राजनांदगांव एवं अन्य क्षेत्रों में दिन में अपने साथी मनोज कुमार विश्वकर्मा चोरियां की है। आरोपी दिन में अपने दोस्त के साथ रेकी करता था और रात में जाकर घटना को अंजाम देता था। अब तक आरोपी ने 15 से ज्यादा मामलों में यह शामिल रहा है। चोरी वायर से कॉपर को निकालकर नरेन्द्र बर्तन भण्डार, इन्दिरा मार्केट, दुर्ग में सर्वेश कसेर के पास 500 रुपए किलो के हिसाब से 7 किलो कॉपर बेचा था। भैंसबोड़, कुम्हली, असोगा, आमटी, झीट, अमलीडीह, तेलीगुण्डरा, उतई, पतोरा, मुड़पार, उमरपोटी क्षेत्र से केवल वायर चोरी किया जिसे जलाकर निकले कॉपर को एवं लोहे के टुकड़े को धनेश्वर साहू के कबाड़ी दुकान रामनगर 500 रुपए किलो के हिसाब से बेचने की जानकारी दी।

दीपका खदान में खड़े ट्रेलर में लगी आग

फायर ब्रिगेड के आने तक धू-धूकर जला वाहन, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

कोरबा (ए)। कोरबा जिले में SECL की दीपका कोल खदान में खड़े ट्रेलर में अचानक आग लग गई। ट्रेलर खदान के 18 नंबर फेज में खड़ा था। देखते ही देखते आग ने ट्रेलर के केबिन को अपनी चपेट में ले लिया। ड्राइवर और कंडक्टर ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे। वाहन में आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को भी दी गई, लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही ट्रेलर का आधा हिस्सा धू-धूकर जल चुका था। ये तो गनीमत थी कि जिस वक्त आग लगी, उस समय गाड़ी खाली थी। आग लगने के बाद आसपास खड़ी गाड़ियों को आनन-फानन में दूर हटाया गया। बाद में जैसे-तैसे ट्रेलर में लगी आग को बुझाया गया। आग से किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना चालक ने वाहन मालिक को दे दी है। दीपका थाना पुलिस का कहना है कि अभी तक उनके पास आग लगने की रिपोर्ट नहीं दर्ज कराई गई है। मामला सामने आने पर इसकी जांच की जाएगी।

गर्मी आते ही बढ़ने लगी आग लगने की घटनाएं

अभी 15 दिन पहले ही कोरबा रेलवे स्टेशन परिसर में बने पब्लिक टॉयलेट में 29 मार्च को भीषण आग लग गई थी। आग देखकर वहां लोगों में हड़कंप मच गया। तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक, रेलवे स्टेशन में काफी यात्री अपनी-अपनी ट्रेनों का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच कुछ लोगों ने देखा कि पब्लिक टॉयलेट पूरी तरह से आग की लपटों से घिरा हुआ है और काफी ऊंचाई तक धुआं भी उठ रहा है। इसके बाद वहां यात्रियों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और दमकल वाहन को बुलाकर आग पर काबू पाया गया।

ऑनलाइन ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। सायबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। गिरोह के 3 सदस्यों को झारखंड़ के सारठ थानाक्षेत्र से हिरासत में लेकर रायगढ़ लाया गया है। ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में आरोपियों के तरीका-ए-वारदातों पर फोक्स कर आरोपियों के नेटवर्क क्षेत्र को चिन्हिंकित कर एसएसपी रायगढ़ को अवगत कराते हुए उनके मार्गदर्शन पर आरोपियों की धरपकड़ के लिये कार्ययोजना बनाई गई। ऑनलाइन ठगी, चिटफंड मामलों में आरोपियों की पतासाजी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को रवाना किया गया।

साइबर सेल रायगढ़ की टीम ने थाना कोतवाली एवं कोतरारोड में पंजीबद्ध किये गये ऑनलाइन फ्रॉड मामलों के आरोपियों का झारखंड के जामताड़ा और देवघर जिले के सारठ थाना क्षेत्र में लोकेट् किये, टेक्निकल एनालिसिस पर इन दोनों क्षेत्रों में आरोपियों के सक्रिय होकर साइबर नेटवर्क चलाना स्पष्ट हुआ।

रायगढ़ पुलिस की टीम द्वारा जामताड़ा के झिलूवाटोला में पहली रेड कार्रवाई किया गया, जहां से कोतवाली ऑनलाइन ठगी मामले के 4 आरोपी- राजेश मंडल, दुर्योधन मंडल, सुरेश मंडल और निसार अंसारी को पकड़ा गया। जामताड़ा से नजदीकी सारठ क्षेत्र में सक्रिय साइबर ठगों का दूसरा गैंग रायगढ़ पुलिस की दबिश की सूचना पर चौकन्ने होकर सारठ से फरार हो गये। फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिये साइबर सेल और कोतरारोड़ की टीम को निर्देशित किया गया जो आरोपियों के सारठ से पीछा करते हुए पटना (बिहार) पहुंची।

इस बार भी पुलिस की घेराबंदी से पहले आरोपी पटना से अपना लोकेशन चेंज कर अपने गृहग्राम सारठ की ओर रवाना हुये। इस बार पुलिस टीम ने थाना कोतरारोड़ के ऑनलाइन ठगी मामले के वांछित आरोपियों की सारठ थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर 3 आरोपी- वाहिद अंसारी उर्फ साबा, नाजिर अंसारी उर्फ बुटान और मोहम्मद अजीमुद्दीन उर्फ अजीम तीनों निवासी ग्राम नवादा थाना सारठ जिला देवघर (झारखंड) को हिरासत में लिया गया। आरोपियों ने कोतरारोड़ में दर्ज ऑनलाइन ठगी में अपनी संलिप्तता स्वीकार किये हैं।

चोर ने थाने के सामने बाइक बेचने वाले को बुलाया टेस्ट ड्राइव के बहाने गाड़ी लेकर हो गया फरार

रायपुर (ए)। नवा रायपुर में रहने वाले युवक की बाइक टेस्ट ड्राइव का झांसा देकर चोर ले गया। उसने युवक को झांसे में लेने के लिए तेलीबांधा थाने के सामने चौक पर बुलाया। पुलिस थाने के सामने ही उससे लेन-देन की बात की। उसके बाद टेस्ट ड्राइव के बहाने गाड़ी लेकर फरार हो गया। बाइक देने वाले ने ये सोचकर उस पर विश्वास कर लिया कि कोई थाने के सामने बुलाकर कैसे चोरी कर सकता है। चोर ने उसका विश्वास जीतने के लिए बाकायदा गाड़ी का साथ अपना वीडियो भी बनाया।

पीड़ित युवक ने पुलिस थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के आधार पर चोर की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार नवा रायपुर सेक्टर-17 निवासी हिमांचल भगत ने बताया कि उसने खरीदी-बिक्री की साइट पर अपनी डेढ़ लाख की स्पोर्ट्स बाइक को बेचने के लिए विज्ञापन जारी किया था।

सप्ताह भर पहले आरोपी ने उसे बाइक खरीदने के लिए मैसेज किया और अपना नंबर भी शेयर किया। आरोपी ने फोन पर ही बाइक का सौदा किया। उसके बाद बुधवार दोपहर 12 बजे बाइक लेकर तेलीबांधा थाने के पास बुलाया। उसने बाइक देखी और टेस्ट ड्राइव करने की इच्छा जताया। हिमाचल ने मना किया। वह जिद करने लगा।

उसने पहले बाइक में बैठकर वीडियो बनाया। उसके बाद अपना फोन हिमाचल को थमा दिया। उसके बाद बाइक लेकर वीआईपी तिराहा की ओर गया। फिर लौटकर नहीं आया। हिमांचल इंतजार करता। उसने इधर-उधर तलाश की लेकिन आरोपी नहीं आया। हिमाचल तुरंत थाने गया और अपनी शिकायत दर्ज करायी। आरोपी का फोन भी थाने में जमा कर दिया है। पुलिस को शक है कि फोन चोरी का हो सकता है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

फैमिली कोर्ट में भरण पोषण मांगने आई महिला को पति ने धमकाया

बिलासपुर (ए)। पति से 9 साल से अलग रह रही महिला के भरण पोषण का केस कुटुंब न्यायालय में चल रहा है। वह अपने बेटे व भाई के साथ यहां आई थी। पति ने देखा तो तीनों के साथ गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। कोटा घोरामार निवासी राखी साहू पति संतोष साहू (33) का सीपत चौक बघवा मंदिर के सामने पुराना सरकंडा में घर है। पति से विवाद होने के कारण वह अपने 12 साल के बेटे आदर्श व भाई योगेश के साथ अलग रहती है। उसने पति के खिलाफ भरण पोषण का केस कुटुंब न्यायालय में

लगाया है। यहां पति पेशी में आता है तो देखकर उसके साथ गाली गलौज करता है। बेटे सहित जान से मरवाने की धमकी भी देता है। हर बार की तरह 11 अप्रैल की दोपहर 3-4 बजे कुटुम्ब न्यायालय में पेशी के दौरान पति कोर्ट के बाहर भरण पोषण देने से इनकार करते हुए वीडियो बनाने लगा। महिला व उसके भाई ने मना किए तो गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। वहां से भाई व बेटे के साथ मायके आई और पिता को बताई फिर थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने महिला के आरोपी पति के खिलाफजुर्म दर्ज कर लिया है।

चॉइस सेंटर और किराना दुकान में चोरी

2 लाख रुपए के माल पर हाथ साफ, सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ा, डीवीआर भी ले भागे आरोपी

कोरबा (ए)। कोरबा जिले के बरपाड़ा कोहडिया स्थित एक दुकान से चोरों ने 2 लाख रुपए का माल साफ कर दिया। आरोपी पकड़े न जाएं, इसलिए उन्होंने यहां लगे 3 सीसीटीवी कैमरे तोड़ने के साथ ही डीवीआर भी ले भागे। पीड़ित ने सीएसईबी पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है।

जानकारी के मुताबिक, कोरबा-दर्री मार्ग पर बरपाड़ा कोहडिया में मुकेश राठौर का च्वाइस सेंटर और किराने की दुकान संचालित है। दिनभर काम करने के बाद मुकेश रात 9:45 बजे दुकान बंद कर अपने घर चला गया। मंगलवार देर रात को यहां चोरी की घटना हुई। बुधवार सुबह इलाके के एक व्यक्ति ने शटर के निचले हिस्से का ताला टूटा हुआ पाया और इस बारे में

मुकेश राठौर को जानकारी दी। जिसके बाद वे यहां पहुंचे और पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया।

आरोपियों ने राशन और नगद समेत 2 लाख का सामान पार कर दिया। दुकान के पिछले हिस्से से कुछ सामान मिला है, जिसे चोर यहां छोड़ गए थे। आरोपियों ने 3 सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए और डीवीआर अपने साथ ले गए। सीएसईबी चौकी प्रभारी शिव कुमार धारी ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

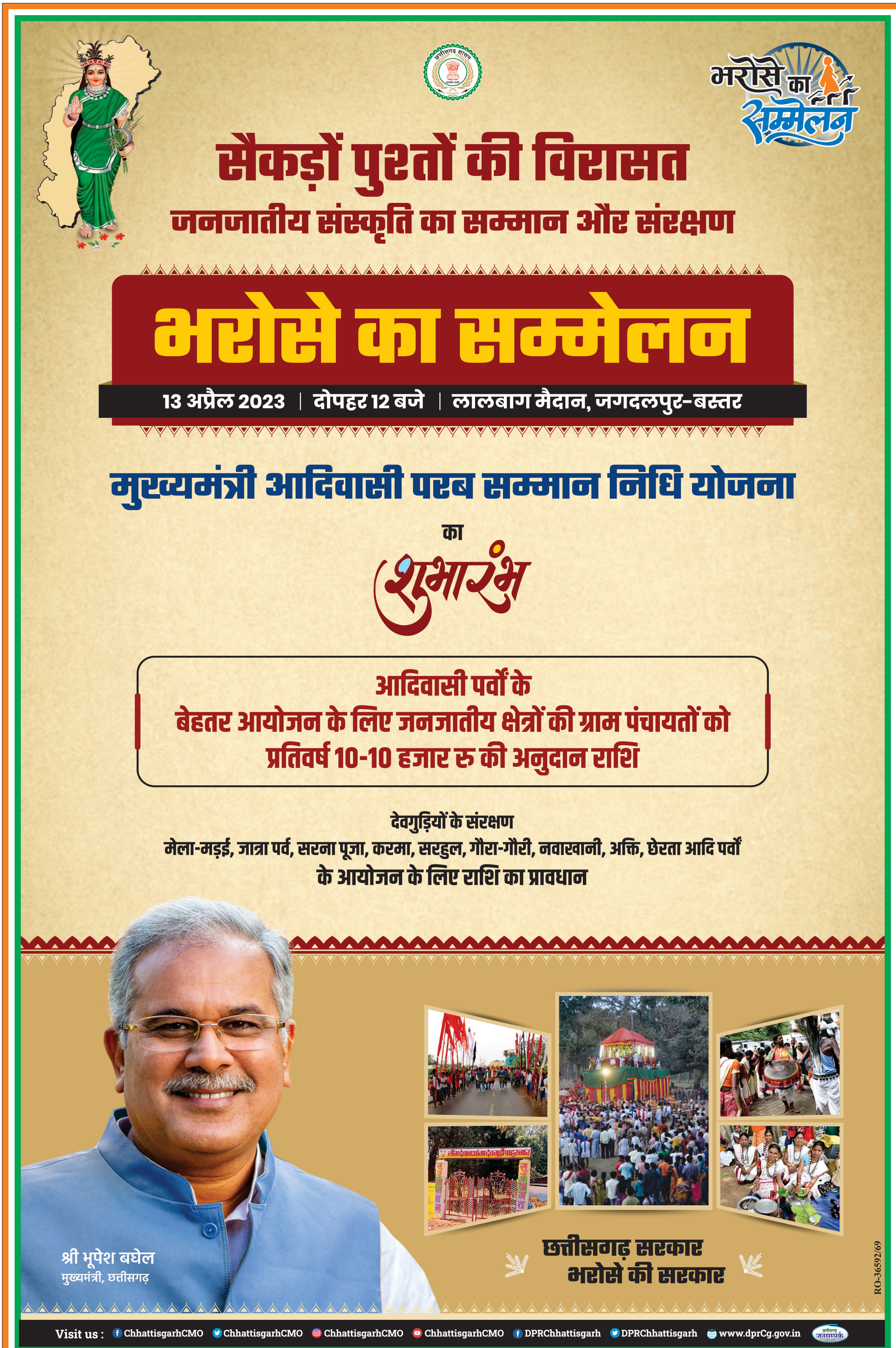

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950